www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
13 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 51 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

लखनऊ में इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

टॉयलेट में टिशू पेपर पर लिखी मिली बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। अहमदाबाद से लखनऊ होते हुए दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की लखनऊ में शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान हवा में ही था, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। ATC ने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट (6ए-2111) को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। फिर सभी 180 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया। करीब 1 घंटे तक चेकिंग चली। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियों के जवानों ने विमान की जांच की। डॉग स्क्वायड ने यात्रियों के एक-एक सामान की चेकिंग की। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। सभी यात्रियों को विमान में बैठा दिया गया। विमान दिल्ली के लिए 2:40 पर रवाना हो गया। इसी विमान से पूर्व आईपीएस बीपी अशोक समेत कई लोगों को दिल्ली जाना था। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा- फ्लाइट के अंदर एक खतरे की सूचना मिली। इसके बाद सिक्योरिटी प्रोटोकॉल के मुताबिक सीनियर अफसरों को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा प्रोटोकॉल फॉलो किया गया।

भारतीय सेना को मिले 106 कामिकाजे ड्रोन

180 किमी की रेंज, 450 केएमपीएच की रफ्तार, न जैमिंग का असर, न टारगेट से भटकेंगे

नई दिल्ली। भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रक्षा कंपनी SMPP ने सेना को 106 टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 'कामिकाजे' ड्रोन सौंप दिए हैं। इन्हें ह्यपीसकीपर (अग्निवेग) नाम दिया गया है। यह ड्रोन 180' की रेंज तक हमला कर सकते हैं। साथ ही 450kmph की रफ्तार पकड़ सकते हैं। यानी इसकी रफ्तार दुनिया में सबसे तेज उड़ने वाले पेरेग्रिन फाल्कन पक्षी की रफ्तार 320kmph से भी ज्यादा है। इतना ही नहीं इन पर न जैमिंग का असर होगा, न कोई स्पूफिंग के जरिए इन्हें टारगेट से भटका सकेगा। कंपनी ने कहा है कि उसने 100 ऑपरेशनल और 6 ट्रेनिंग ड्रोन सेना को सौंप दिए हैं। यह डिलीवरी भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और अनमैन्ड वारफेयर में उपलब्धि मानी जा रही है। इन्हें बेलारूसी

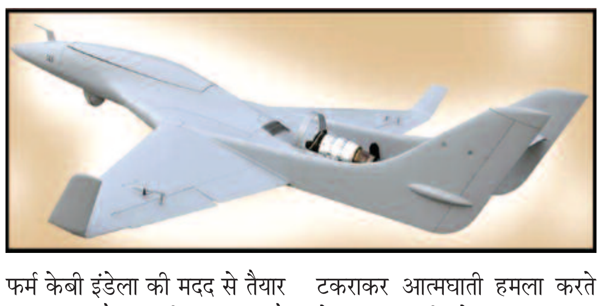

फर्म केबी इंडेला की मदद से तैयार किया गया है। कंपनी का दावा है कि यह ड्रोन पूरी तरह ऑटोनॉमस प्रिसिजन स्ट्राइक मिशन अंजाम दे सकता है। यानी लक्ष्य निर्धारित होने के बाद यह बिना किसी इंसानी दखल के मिशन पूरा कर देगा। कामिकाजे ड्रोन ऐसे ड्रोन होते हैं जो लक्ष्य पर हमला करते समय खुद भी नष्ट हो जाते हैं। इन्हें लॉइटरिंग म्यूनिशन भी कहा जाता है। कामिकाजे नाम सेकेंड वर्ल्ड वार के कामिकाजे अटैक से लिया गया है। जब जापानी पायलट अपने विमानों को दुश्मन के जहाजों से टकराकर आत्मघाती हमला करते थे। जब किसी ड्रोन लॉन्च किया जाता है, तब वह काफी देर तक हवा में मंडराता है। कैमरे और सेंसर से टारगेट खोजता है। उसके मिलने पर उसकी ओर तेजी से बढ़ता है और टकराते ही विस्फोट कर देता है। इन ड्रोन्स का फायदा है कि अपेक्षाकृत सस्ते होते हैं। सटीक हमला कर सकते हैं। सैनिकों की जान सीधे खतरे में नहीं डालते। टैंक, रडार, तोप और सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकते हैं। अग्निवेग में अहम मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स हब, कमांड सेंटर, रडार इंस्टॉलेशन और दूसरे रणनीतिक ठिकानों पर सटीक हमला करने की क्षमता है। ट्रायल के दौरान अग्निवेग ने जैमिंग और स्पूफिंग वाले माहौल में काम करते हुए 5 मीटर से कम का सर्कुलर एरर प्रोबेबल (CEP) हासिल किया। सरल शब्दों में कहें तो यह ड्रोन अपने टारगेट को बेहद करीब जाकर हमला करने में सक्षम है। इससे किसी सैन्य ठिकाने के केवल एक हिस्से को निशाना बनाया जा सकता है। इससे टारगेट के आसपास मौजूद सिविलियन स्ट्रक्चर का कम नुकसान होता है। SMPP के सीईओ और निदेशक आशीष कंसल ने कहा कि केवल 6 महीने के भीतर भारतीय सेना को ड्रोन की आपूर्ति करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध अब सटीकता, स्वायत्तता और कॉस्ट इफेक्टिव हो रहे हैं। ऐसे सिस्टम युद्धक्षेत्र में फोर्स मल्टीप्लायर साबित हो रहे हैं।

दून पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, आईएमए के पीओपी में होंगी शामिल

देहरादून। कड़ी सुरक्षा के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देहरादून पहुंचीं हैं। राष्ट्रपति 13 जून को आईएमए में होने वाली पीओपी में शिरकत करेंगी। शुक्रवार की दोपहर विशेष विमान से राष्ट्रपति जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर जॉलीग्रांट एयरपोर्ट में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ सहित, जिलाधिकारी डॉक्टर आशीष चौहान और एसपी प्रमेंद्र डोबाल समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को पीओपी को लेकर यातायात प्लान जारी किया गया है।

मनाली-लेह मार्ग में 3 टनल प्रोजेक्ट को मंजूरी

15,550 करोड़ की लागत से बनेगी

मनाली/कुल्लू (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मनाली-लेह सामरिक मार्ग को पूरे साल बहाल रखने के लिए तीन टनल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। इन तीन टनल का निर्माण 15 हजार 550 करोड़ रुपए की लागत से होगा। प्रस्तावित सुरंगें हिमाचल के बारालाचा, लाचुंगला और लद्दाख के तंगलंग ला दर्रों के नीचे निर्मित की जाएंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन सुरंगों के निर्माण से लद्दाख को पूरे वर्ष सड़क संपर्क उपलब्ध होगा, यात्रा समय में कमी आएगी और सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना की आवाजाही तथा रसद आपूर्ति को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। सामरिक दृष्टि से तीनों प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चीन तथा पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर सामरिक तैयारियों को और मजबूत करना है। अटल टनल, जोजिला टनल और प्रस्तावित शिंकुला टनल के बाद यह परियोजना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नए आयाम देगी। परियोजना के तहत बारालाचा दर्रे के नीचे लगभग 13 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जाएगा।

एक ग्राहक को 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं

कॉमर्शियल यूजर रिटेल पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं खरीद पाएंगे, इनके लिए डीजल करीब 40 रुपये महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसके अलावा अब फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स को रिटेल आउटलेट से ईंधन नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने 11 जून 2026 को इसे लेकर आदेश जारी किया है। अब इन बड़े उपभोक्ताओं को केवल बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीदना होगा। सरकार ने यह कदम देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पंपों पर अचानक बढ़ी असामान्य बिक्री को देखते हुए उठाया है। यह पाबंदी शुरूआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की किल्लत नहीं होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 'मोटर स्पिरिट एंड हाई स्पीड डीजल (टेंपररी रेगुलेशन ऑफ सप्लाई थ्रू रिटेल आउटलेट्स) ऑर्डर, 2026' जारी किया है। इसके तहत अब कोई भी फैक्ट्री, कॉमर्शियल संस्थान या बड़ी संस्थाएं आम गाड़ियों वाले पेट्रोल पंप से डीजल-पेट्रोल नहीं खरीद सकेंगी। उन्हें अपने खुद के कंज्यूमर पंप या तय बल्क सप्लाई चैनलों से ही तेल

लेना होगा।नए आदेश के मुताबिक, रिटेल पंपों पर डीजल की बिक्री अब केवल गाड़ियों के फ्यूल टैंक या फिर पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (ढएरड) के अप्रूव्ड कंटेनरों में ही की जा सकेगी। इसके अलावा, कोई भी ग्राहक या गाड़ी एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएगा। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक रहेगी। मंत्रालय के मुताबिक, देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पेट्रोल पंपों पर अचानक पेट्रोल और डीजल की बिक्री बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। जांच में सामने आया कि रिटेल और बल्क कीमतों में बड़ा अंतर होने के कारण फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स ने थोक में तेल मंगाना बंद कर दिया और वे सीधे आम पेट्रोल पंपों से गाड़ियां भेजकर तेल खरीदने लगे। इससे आम जनता के लिए तेल की किल्लत का खतरा पैदा हो रहा था।दिल्ली के उदाहरण से समझें तो रिटेल पंपों पर डीजल की कीमत ₹95.20 प्रति लीटर है, जबकि बल्क में डीजल खरीदने वाले उद्योगों को यही डीजल ₹134.50 प्रति लीटर में मिल रहा है। यानी दोनों कीमतों में करीब ₹39.30 प्रति लीटर का सीधा अंतर आ गया था। इसी भारी अंतर के कारण बड़े खरीदार रिटेल पंपों की तरफ शिफ्ट हो रहे थे।इस साल फरवरी के आखिरी हफ्ते में पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक संकट शुरू हुआ था। इसके कारण इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई चेन और शिपिंग लॉजिस्टिक्स पर बुरा असर पड़ा। सरकारी तेल कंपनियों ने आम जनता को महंगाई से बचाने के लिए रिटेल पंपों पर कीमतें ज्यादा नहीं बढ़ाईं, लेकिन टेलीकॉम टावर, बड़ी फैक्ट्रियों और ट्रांसपोर्ट फ्लीट्स जैसे थोक खरीदारों के लिए कीमतें मार्केट-लिंक्ड (अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुसार) रखीं, जिससे थोक भाव काफी बढ़ गए।

नारीशक्ति को सलाम कर बोले पीएम: अंतरिक्ष से लेकर आर्थिक जगत में आत्मनिर्भर बनाने में अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की नारीशक्ति की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, अंतरिक्ष और नए आविष्कारों जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता देखकर उन्हें बहुत खुशी होती है। ड्रोन तकनीक जैसे आधुनिक क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से देश के विकास की तस्वीर बदल रही है। यह बदलाव प्रगति के नए रास्ते खोल रहा है।पीएम मोदी ने बताया कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से सहयोग दे रही है। इन समूहों की मदद से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बन रही हैं। पिछले 12 वर्षों

के दौरान एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास को प्राथमिकता दी है। आज इसका असर समाज के हर छोटे-बड़े क्षेत्र में साफ दिखाई देता है। पीएम ने आगे कहा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास और खेल जैसे क्षेत्रों में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही व्यापार, विज्ञान और शासन में भी उनकी भागीदारी बढ़ी है। सरकार की कोशिशों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सम्मान, अवसर और मजबूती देना है। इससे एक ऐसा माहौल बना है जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान दे रही हैं।प्रधानमंत्री ने अपनी नियमित पोस्ट 'सुभाषितम' में एक श्लोक साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा:'नारी त्रैलोक्यजननी, नारी त्रैलोक्यरूपिणी। नारी त्रिभुवनाधारा, नारी शक्तिस्वरूपिणी॥' साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की नारी शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। हमारी माताएं, बहनें और बेटियां अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से माँ भारती का गौरव बढ़ा रही हैं।

तेंदुलकर ने फ्लाइट में परिवार के साथ क्रिकेट खेला

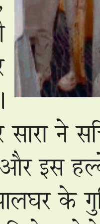

मुम्बई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर परिवार के साथ फ्लाइट में क्रिकेट खेलते नजर आए। 53 साल के पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने शुक्रवार को इसका 31 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'एटीट्यूड नहीं बदलना चाहिए, भले ऑल्टीट्यूड कुछ भी हो।' वीडियो में सचिन उल्टे बल्ले से बेटी सारा तेंदुलकर और बहू सानिया चंडोक के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं। सानिया गेंदबाजी करती दिखीं, जबकि उनकी एक गेंद पर सारा ने सचिन का कैच पकड़ लिया। इसके बाद तीनों हंसते नजर आए और इस हल्के-फुल्के पल का आनंद लेते दिखे। तेंदुलकर पिछले हफ्ते पालघर के गुहिर गांव पहुंचे थे। वहां उन्होंने बच्चों के बीच क्लाइमेट स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट की शुरूआत की थी। सचिन ने खुद इसके फोटो शेयर किए थे। तेंदुलकर इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 शतक लगाने वाले इकलौते क्रिकेटर हैं। उन्होंने भारत के लिए 664 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उनके नाम टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हैं। तेंदुलकर ने 200 टेस्ट मैचों में 15,921 रन बनाए हैं, जबकि 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। सचिन ने एक टी-20 इंटरनेशनल मैच भी खेला है।

डोनाल्ड ट्रम्प बोले: ईरान के साथ आज जंग खत्म हुई

वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे, ईरान बोला: अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों की मौत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन दिनों में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की जान गई, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर अब तक एक शब्द भी नहीं कहा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, "अंतरराष्ट्रीय जल में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी

हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे Compromised PM? एक शब्द तक नहीं।" उन्होंने कहा, "जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। लेकिन मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं।" भारत ने 24 घंटे के भीतर दूसरी बार अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत (चार्ज डी'अफेयर्स) जेसन मीक्स को तलब किया है। यह कदम ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले कारोबारी जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर उठाया गया है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए। गुरुवार को ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज जलवीर से जुड़ी एक और घटना सामने आई। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने पिछले एक हफ्ते में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के 310 ठिकानों को निशाना बनाया और करीब 80 लड़ाकों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, गाजा में भी 20 से ज्यादा फिलिस्तीनी लड़ाके मारे गए, जबकि कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर ईरान के साथ जारी संघर्ष खत्म करने का घरेलू दबाव बढ़ रहा है। यह युद्ध अमेरिका में अलोकप्रिय साबित हुआ है और इसका आर्थिक असर भी महसूस किया जा रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रम्प ऐसे रास्ते की तलाश में हैं जिससे युद्ध खत्म हो, राजनीतिक नुकसान रुके और अर्थव्यवस्था को राहत मिले। माना जा रहा है कि वह नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले यह संकट सुलझाना चाहते हैं। हालांकि अमेरिकी संसद में कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रम्प से कहा है कि ईरान के पक्ष में ज्यादा नरम समझौता न किया जाए। राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर हमले को रोक देने के फैसले की जानकारी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले से नहीं दी गई थी।

उत्तराखंड की शान और भारत के महान निशानेबाज जसपाल राणा का निधन

देहरादून : भारतीय निशानेबाजी जगत को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा, जब देश के सबसे सफल निशानेबाजों में से एक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से पूरे देश और विशेष रूप से उत्तराखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। वह हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप से लौटे थे, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उपचार के दौरान नई दिल्ली के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।

टिहरी गढ़वाल के चिलामू गांव में जन्मे जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के स्वर्णिम अध्यायों में शामिल रहे। उन्होंने

एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत को कई पदक दिलाए और देश का गौरव बढ़ाया। राष्ट्रमंडल खेलों में उनके नाम 15 पदक दर्ज हैं, जो उन्हें भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल करते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद उन्होंने कोच की भूमिका में भी भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर समेत कई युवा खिलाड़ियों को उन्होंने तराशा और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि जसपाल राणा का जाना भारतीय खेल जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें उत्कृष्ट खिलाड़ी, सफल कोच और नेकदिल इंसान बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तराखंड के लिए जसपाल राणा केवल एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि प्रेरणा के प्रतीक थे। देहरादून स्थित उनकी शूटिंग अकादमी से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हुए। उनका जीवन अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता का उदाहरण था। जसपाल राणा का निधन भारतीय खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। आने वाली पीढ़ियां उन्हें एक महान खिलाड़ी, कुशल प्रशिक्षक और भारतीय निशानेबाजी के सच्चे नायक के रूप में हमेशा याद रखेंगी। (एजेंसी)

ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के लिए कौशल हेतु नाबार्ड ने आयोजित की कार्यशाला

देहरादून। शुक्रवार को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा देहरादून में वित्तीय वर्ष 2026–27 की पहली क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक एवं उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में स्थानीय आजीविका के लिए कौशल की कमी के अभाव को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ग्रामीण विकास में युवाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में उत्तराखंड क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून ने पहली क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) बैठक एवं उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में स्थानीय आजीविका के लिए कौशल की कमी के अभाव को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन आईटी पार्क स्थित अपने कार्यालय में किया। कार्यशाला का विषय "ग्रामीण उत्तराखंड में स्थानीय आजीविका के लिए कौशल अंतराल को घटानाः उद्यम प्रोत्साहन और पलायन में कमी हेतु जिला–स्तरीय रणनीतियाँ" रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पंकज यादव, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विशेषज्ञ– डॉ प्रभाकर सी बेबनी (मुख्य संचालन अधिकारी, डीडीयू–जीकेवाई) सहित एस.एल.बी.सी, यू.के.एस.आर.एल.एम, के.वी.आई.सी, के.वी.आई.बी, कृषि एवं उद्यान विभाग, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, यू.के.एस.टी.सी.बी, ग्रामीण विकास विभाग, एनजीओ के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। डॉ संजीव रॉय (निदेशक, के.वी.आई.सी) ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की।

कार्यक्रम में डॉ प्रभाकर सी बेबनी (मुख्य संचालन अधिकारी, डीडीयू–जीकेवाई) की विशेष सहभागिता रही। उन्होंने ग्रामीण युवाओं के कौशल और उनके रोजगार हेतु पलायन को रोकने की जिला–वार रणनीतियों पर मार्गदर्शन दिया और उत्तराखंड में नाबार्ड की सक्रिय भूमिका की सराहना की, जिसमें कौशल विकास प्रशिक्षण, सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम एवं आजीविका उद्यम विकास कार्यक्रम और विपणन के प्रयास शामिल हैं। बैठक के दौरान विशेषज्ञों ने अलग– अलग विभागों के साथ कार्यशैली के तालमेल की भूमिका पर सुझाव दिए कि वे उद्यमिता को बढ़ावा, पलायन में कमी, नीतियों का बेहतर क्रियान्वयन, लाभार्थियों को एकीकृत सेवाएं, सतत विकास को बढ़ावा देने में कैसे योगदान दे सकते हैं।

बंजारावाला की समस्याओं को लेकर यूयूएसडीए का किया घेराव

देहरादून। वार्ड 84 बंजारावाला में बरसात से पहले जलभराव, नालियों की सफाई, जल निकासी और क्षतिग्रस्त सड़कों जैसी समस्याओं के समाधान में हो रही देरी को लेकर क्षेत्रवासियों ने रोष जताया। शुक्रवार को लोगों ने शहरी विकास विभाग की एजेंसी यूयूएसडीए के अधिकारियों को घेराव कर समस्याएं गिनाई। अधिकारियों ने तय समय सीमा में कार्य पूरे करने का आश्वासन लोगों को दिया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई महत्वपूर्ण कार्य अभी भी धीमी गति से चल रहे हैं। बरसात का मौसम नजदीक होने के बावजूद जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और नालियों की सफाई का काम अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया है, जिससे जलभराव की आशंका बनी हुई है।पार्षद रुचि रावत ने कहा कि जनता की समस्याएं उठाते हुए कहा कि बार–बार शिकायतों और बैठकों के बावजूद कुछ मामलों में अनावश्यक विलंब हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्यों में तेजी नहीं लाई गई तो बारिश के दौरान क्षेत्रवासियों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापार सभा के अध्यक्ष पद पर जीते अनुज

श्रीनगर गढ़वाल : नगर व्यापार सभा के चुनाव में अध्यक्ष पद पर अनुज जोशी और महासचिव पद पर छवि प्रकाश अग्रवाल ने जीत दर्ज की। जबकि कोषाध्यक्ष पद पर पंकज नेगी निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए। चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया। शुक्रवार को कल्याणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हुआ, जो दोपहर दो बजे तक चला।

हल्की बूंदाबांदी के बावजूद व्यापारियों में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मतदान केंद्र पर मतदाताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। दस बजे के बाद मतदान केंद्र पर व्यापारियों की संख्या और बढ़ गई। व्यापार सभा में कुल 1452 मतदाता हैं। मतदान के लिए दो बूथ बनाए गए थे। चुनाव में कुल 1240 मत पड़े। इनमें 14 मत अवैध पाए गए, जबकि एक मत गायब मिला। अध्यक्ष और महासचिव पद पर दो–दो प्रत्याशी मैदान में थे। अध्यक्ष पद के लिए अनुज जोशी और दिनेश असवाल के बीच सीधा मुकाबला था। मतगणना में अनुज जोशी को 633 और दिनेश असवाल को 593 मत मिले। अनुज जोशी ने 40 मतों के अंतर से जीत हासिल की। वहीं महासचिव पद पर छवि प्रकाश अग्रवाल और सुमन जोशी (बंटी) के बीच मुकाबला हुआ। छवि प्रकाश अग्रवाल को 654 और सुमन जोशी को 571 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार छवि प्रकाश अग्रवाल ने 83 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। मतदान के दौरान बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर कुछ समय के लिए हल्की बहस हुई, लेकिन बाद में मामला शांत हो गया और चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रही।

संक्षिप्त समाचार

परंपराओं के साथ न हो खिलवाड़

चमोली। नंदादेवी राजराजेश्वरी समिति बधाण ने वर्ष 2027 में घोषित श्रीनंदा देवी राजजात को भव्य बनाने की बात कही है। समिति ने इस संबंध में एसडीएम के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। समिति ने कहा कि बड़ी जात में गैर–परंपरागत डोली और राजछंतोली शामिल करने की चर्चाएं हैं जो परंपराओं के साथ खिलवाड़ है। ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा यदि वर्ष 2026 में प्रचारित बड़ी जात परंपरागत लोकजात के तौर पर आयोजित होती है तो उसका भव्य स्वागत करेंगे। शुक्रवार को समिति ने उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह के माध्यम से जिलाधिकारी चमोली को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने नंदादेवी राजजात की तैयारियों, पड़ावों पर विकास और थराली–देवाल–वाण मार्ग पर हॉटमिक्स कार्य शीघ्र शुरू करने की मांग की। समिति ने राजजात के विभिन्न विकास प्रस्तावों को स्वीकृति और वित्त मुहैया कराने की अपील की। साथ ही समिति ने सिद्धपीठ देवर-ड़ा को भी पर्यटन मानचित्र पर स्थान देने की मांग की। ज्ञापन में यात्रा पड़ावों पर रास्तों, पुलिया, बिजली समेत जैसी व्यवस्थाओं के निर्माण के प्रस्ताव भी शामिल थे। ज्ञापन देने वालों में समिति के भुवन हटवाल, पृथ्वी सिंह बुटोला, गोविंद भंडारी, डीडी कुनियाल, हरेंद्र नेगी, महिपाल सिंह, जय सिंह, हरेंद्र फर्स्वाण, विक्रम सिंह आदि मौजूद थे।

जेंटा में 135 ग्रामीणों ने किया योगाभ्यास

चमोली। महिला बेस अस्पताल सिमली में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती सहित व्यवस्थाओं को सुचारु करने के लिए ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी का सत्याग्रह आंदोलन शुक्रवार को आठवें दिन भी जारी रहा। उमेश खंडूड़ी ने कहा कि सत्याग्रह आंदोलन के आठ दिन बाद भी शासन–प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई सकारात्मक प्रयास नहीं किए गए हैं। इस कारण शनिवार 13 जून को ग्राम प्रधान संगठन, जन–प्रतिनिधि और स्थानीय लोगों की ओर से महिला बेस अस्पताल सिमली से धरना स्थल तक रैली निकाल कर अग्रिम रणनीति पर विचार किया जाएगा। समर्थन देने वालों में सत्य प्रसाद खंडूड़ी, प्रणवेंद्र प्रसाद डिमरी, बीएन डिमरी, हर्षवर्धन डिमरी, बलवीर लडोला, चंद्रशेखर मैठाणी आदि मौजूद थे। संवाद

आयुर्वेदिक चिकित्सक आज से करेंगे पूर्ण कार्यबहिष्कार

चमोली। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा संघ ने सात सूत्री मांगों के निराकरण के लिए शुक्रवार को तीसरे दिन भी आधे दिन का कार्यबहिष्कार किया। शुक्रवार सुबह 8 से 11 बजे तक चिकित्सकों ने काला फीता बांध कर अस्पताल में कार्य और 11 बजे के बाद कार्यबहिष्कार किया। संघ के मीडिया प्रभारी डॉ. मनीष खंडूड़ी ने बताया कि चिकित्सकों की एसीपी, डीसीपी, विभागीय पुनर्गठन, चिकित्सा संवर्ग के लिए विभागीय निदेशक की नियुक्ति करने की मांगों का निराकरण नहीं किए जाने पर संघ की ओर से शनिवार 13 जून से पूर्ण कार्यबहिष्कार किया जाएगा।

चकराता में विधायक निधि के कामों में भ्रष्टाचार का आरोप

देहरादून। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा ने चकराता विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि के कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा ने आरटीआई से मिले दस्तावेजों के आधार पर कार्यों में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। मोर्चा का दावा है कि यह खेल राज्य गठन के बाद से ही चल रहा है।

शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में मोर्चा के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने कहा कि यह जनता के धन के साथ सुनियोजित विश्वासघात है। आरटीआई की 531 फाइलों में न तो बिल हैं और न पर्याप्त फोटो है। नियमों को ताक पर रखकर बिना जियो–टैगिंग के कार्य दिखाए गए। हद तो तब हो गई जब फर्जी मस्टररोल में उन लोगों के नाम दर्ज कर मजदूरी का भुगतान उठा लिया गया, जिनका निधन 10 वर्ष पहले हो चुका है। इसके अलावा, एक ही फोटो को धुंधला कर दर्जनों अलग–अलग कार्यों में पूर्णता प्रमाण पत्र के रूप में लगाया गया और बिना अस्तित्व वाली दुकानों के फर्जी बिलों पर भुगतान कर दिया गया। मोर्चा के चकराता विधानसभा प्रभारी स्वराज चौहान और सह प्रभारी अतर सिंह चौहान ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर दोषियों पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ, तो चकराता ब्लॉक कार्यालय में तालाबंदी और मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय देहरादून पर जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। इस दौरान चकराता ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल रावत, कालसी ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल राठौर, अखिल तोमर, बिट्टू वर्मा, संजय चौहान, विशाल चौहान और जसपाल चौहान समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कपूरी से भैसूड़ी तक मोटर मार्ग की मांग उठी

बागेश्वर।तहसील कांडा के सीमांत गांव भैसुड़ी के ग्रामीणों ने कपूरी–भैसुड़ी सड़क संपर्क मार्ग के निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को एक बार फिर प्रमुखता से उठाया है। ग्रामीणों का कहना है कि मात्र दो किलोमीटर सड़क का लिंक (मिलान) नहीं होने के कारण उन्हें आज भी 20 किलोमीटर से अधिक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्राम प्रधान गणेश राठौर ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में बताया कि टयाकोट और भैसुड़ी क्षेत्र की जनता लंबे समय से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कपूरी तक बनी सड़क को भैसुड़ी से जोड़ने की मांग कर रही है। उनका कहना है कि सड़क का मिलान होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी तथा समय और धन दोनों की बचत होगी।

गुलदार के चंगुल से बकरी को छुड़ाया

विकासनगर। पछुवादून क्षेत्र के बदामावाला में शुक्रवार सुबह करीब दस बजे चाय बागान के समीप एक गुलदार ने दिनदहाड़े बकरी पर हमला कर दिया। मालिक ने साहस दिखाते हुए किसी तरह से गुलदार से बकरी को छुड़ाया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग अपने बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बदामावाला निवासी कालीचरण की बकरी सुबह घर के पास चर रही थी। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकले गुलदार ने बकरी पर हमला बोल दिया और उसे घसीटकर ले जाने लगा। बकरी मालिक कालीचरण ने साहस दिखाते हुए किसी तरह गुलदार के चंगुल से बकरी को छुड़ाया, लेकिन तब तक बकरी गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से गुलदार चाय बागान और आसपास के इलाकों में लगातार देखा जा रहा है। कई बार वह आबादी के करीब भी पहुंच चुका है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रवासियों ने इसकी शिकायत वन विभाग से भी की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। घटना के बाद क्षेत्र में लोग सतर्क हो गए हैं और बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बच रहे हैं।

सोमवती अमावस्या और वीकेंड पर यातायात व्यवस्था सख्त

हरिद्वार।वीकेंड और सोमवती अमावस्या स्नान पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष योजना लागू की है। इसके तहत रविवार और सोमवार को हरिद्वार में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आगामी दो दिनों में हरिद्वार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। वीकेंड के साथ–साथ सोमवती अमावस्या का विशेष स्नान होने के कारण हाईवे, शहर के प्रमुख मार्गों और गंगा घाटों पर अत्यधिक भीड़ रहने का अनुमान है। इसे देखते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया है। सीओ ट्रैफिक बिपेंद्र सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रविवार और सोमवार को शहर के हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद रहेगा। हालांकि आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी, ताकि जनजीवन प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी ।

नगर में अतिक्रमण पर कार्यवाही करे सरकार

ऋषिकेश।तीर्थनगरी में व्याप्त समस्याओं को लेकर राज्य आंदोलनकारियों ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सरकार से नगर में अतिक्रमण पर कार्रवाई करने, नशे पर पूर्ण पाबंदी लगाने, जाम से मुक्ति दिलवाने आदि की मांग की। शुक्रवार को आईएसबीटी परिसर स्थित शहीद स्मारक भवन में राज्य आंदोलनकारियों की बैठक आयोजित हुई। उत्तराखंड राज्य निर्माण समिति के अध्यक्ष डीएस गुसाईं ने कहा कि ऋषिकेश में जाम की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। जगह–जगह अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। आए दिन दिन दहाड़े गोलीकांड की घटना भी सामने आ रही है। गंगा किनारे शराब पीने की घटनाओं के चलते क्षेत्र की छवि धूमिल हो रही है।

किसानों की समस्याएं दूर करने के बजाए पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही सरकारः अंबावता

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन अंबावता के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुक्रवार को अलकनंदा मैदान में समापन हो गया। अधिवेशन में राष्ट्रपति के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन भेजकर किसानों की प्रमुख मांगें उठाई गईं। ज्ञापन में एमएसपी की गारंटी, पांच हजार रुपये महीना वृद्धावस्था पेंशन, पूरे देश में मुफ्त शिक्षा चिकित्सा व्यवस्था, किसानों को संपूर्ण कर्ज माफी, किसान आयोग का गठन, उत्तराखंड में खेती के लिए मुफ्त बिजली, ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने आदि मांगे शामिल की गयी हैं। भाकियू अंबावता के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल अंबावता ने बताया कि तीन दिन चले राष्ट्रीय अधिवेशन और चिंतन शिविर में देश के कई राज्यों के संगठन पदाधिकारी और हजारों किसान शामिल हुए। समस्याओं पर व्यापक विचार विमर्श के उपरांत कई प्रस्ताव पारित किए गए हैं। अंबावता ने कहा कि किसानों की समस्याएं दूर

करना सरकार का दायित्व है। किसान मजबूत होगा तो देश आगे बढ़ेगा। लेकिन सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करने के बजाए देश में पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही है। जिसका भाकियू अंबावता हर स्तर पर विरोध करेगी और किसी भी संघर्ष से पीछे नहीं हटेगी। अधिवेश का संचालन राष्ट्रीय महासचिव रामपाल सिंह अंबावता ने किया।

रोडवेज कर्मचारियों ने दी प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन निगम (रोडवेज) में कुप्रबंधन, वित्तीय अनियमितताओं और कर्मचारियों की लंबित समस्याओं को लेकर उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने आर–पार की लड़ाई का मन बना लिया है। यूनियन ने 30 जून से चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है। यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष कमल पपनै और महामंत्री अशोक चौधरी ने परिवहन निगम की प्रबंध निदेश-ाक को 13 सूत्रीय मांगपत्र के साथ आंदोलन का नोटिस थमा दिया है। यूनियन ने साफ किया है कि वर्तमान में कुप्रबंधन के कारण निगम को भारी वित्तीय हानि हो रही है और कर्मचारियों में गहरा रोष व्याप्त है। यदि 29 जून तक उनकी मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। यूनियन ने पूर्व में हुए समझौते के तहत सभी विशेष श्रेणी और संविदा कर्मचारियों को तत्काल नियमित करने, राज्य कर्मचारियों की तर्ज पर रोडवेज कर्मियों को भी एरियर सहित महंगाई व आवासीय भत्ता देने और सेवानिवृत्त व नियमित कर्मियों के लंबित देयकों का तत्काल भुगतान करने, विशेष श्रेणी व संविदा कर्मियों की आकस्मिक मृत्यु पर उनके आश्रितों को तुरंत सेवा में लेने, टूरिस्ट परमिट की आड़ में चल रही अवैध बसों को रोकने की मांग की है। चेताया कि यदि मांगें नहीं मानी जाती है तो यूनियन प्रथम चरण में 30 जून को आईएसबीटी देहरादून, हल्द्वानी बस स्टेशन और टनकपुर कार्यशाला पर एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन व कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

यूकेएसएसएससी परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

बागेश्वर।उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर परीक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

अपर जिलाधिकारी ने परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का गहन अध्ययन करने तथा उनका शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पांचवीं अनुसूची लागू करने की मांग

चमोली। उत्तराखंड एकता मंच ने पर्वतीय क्षेत्रों में पांचवी अनुसूची लागू करने और जनजाति दर्जा देने की मांग की है। मंच ने सरकार की अनदेखी पर आंदोलन की चेतावनी दी। मंच ने राजनीतिक दलों से अपने घोषणापत्र में इन मुद्दों को शामिल करने की अपील की। डॉ. विक्रम सिंह माहोड़ी ने कहा कि अन्य हिमालयी राज्यों को जनजाति दर्जा मिला है। उत्तराखंड को इससे वंचित रखना अन्याय है। कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी ने बताया कि जनजाति दर्जा युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सरकारी नौकरी में आरक्षण देगा। इससे जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय लोगों का मालिकाना हक भी सुनिश्चित होगा। मंच ने कहा कि आगामी चुनाव में पर्वतीय समुदाय उन्हीं दलों को वोट देगा जो इन मांगों का समर्थन करेंगे। व्यापार संघ के सदस्य भी बैठक में मौजूद रहे।

हवालबाग में जनकल्याण शिविर आयोजित, सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

अल्मोड़ा। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकासखंड हवालबाग सभागार में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं की पात्रता, लाभ तथा आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से अवगत कराया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई से शुरू किए जाने वाले विकसित भारत कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों से भी लोगों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में जनभागीदारी, सुशासन और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर निकली पेंशन न्याय यात्रा

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा (एनओपीआरयूएफ) उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित पेंशन न्याय यात्रा शुक्रवार को डाना गोल्ज्यू मंदिर से चितई स्थित गोल्ज्यू महाराज मंदिर तक निकाली गई। यात्रा में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कर्मचारियों, शिक्षकों, अधिकारियों और पेंशन समर्थकों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने गोल्ज्यू महाराज मंदिर पहुंचकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर प्रार्थना की। कर्मचारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन व्यवस्था सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का आधार है तथा इसकी बहाली उनकी प्रमुख मांग है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि यात्रा ने कर्मचारियों की एकजुटता और पुरानी पेंशन के प्रति उनके संकल्प को मजबूत किया है। प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि कर्मचारियों ने न्याय के प्रतीक गोल्ज्यू महाराज के समक्ष अपनी मांग रखी है और उन्हें इसके सकारात्मक परिणाम की उम्मीद

है। प्रदेश महिला अध्यक्षा रानीता विश्वकर्मा और मातृ शक्ति प्रकोष्ठ की प्रतिनिधि सुधा पांडे ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के साथ–साथ उनके परिवारों की सुरक्षा से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने महिला कर्मचारियों और परिवारों से संगठन से जुड़कर आंदोलन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कुमाऊं मंडल कार्यकारिणी के गिरीश पनेरू और नरेंद्र पटवाल ने कहा कि यात्रा की सफलता से संगठन को नई मजबूती मिली है तथा सदस्यता अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा। गढ़वाल मंडल मंत्री राजीव उनियाल ने कहा कि प्रदेशभर में कर्मचारियों के बीच इस अभियान को लेकर उत्साह बढ़ा है और जल्द ही बड़े स्तर पर जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विक्रम सिंह रावत, जसपाल गोसाई, कीर्ति भट्ट, अभिषेक नवानी, सतीश कुमार, दिनेश सिंह नेगी, जगत फरसावन, संतान रावत, जितेंद्र प्रसाद, दयासागर उनियाल, माखनलाल शाह, पूरन फरसावन सहित विभिन्न जनपदों से आए अनेक कर्मचारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को दोहराते हुए कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया।

भीषण गर्मी में बढ़ी एसी और कूलर की डिमांड

ब्रिकी के लिए दुकान में रखे कूलर

गत वर्ष की मुकाबले इस वर्ष बढ़े एसी व कूलर के दाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भीषण गर्मी आमजन को परेशान कर रही है। ऐसे में लोग गर्मी से निजात के लिए घरों में एसी व कूलर लगा रहे हैं। यही कारण है कि इन दिनों बाजार में कूलर व एसी की डिमांड तेजी से बढ़ गई है। गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष इस डिमांड में चालीस प्रतिशत ग्रोथ देखने को मिली है। लगातार बढ़ रही डिमांड को देखते हुए कई व्यापारियों ने एसी व कूलर के दाम तक बढ़ा दिए हैं।

कोटद्वार में लगातार गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। भीषण गर्मी व तेज धूप के कारण आमजन का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में गर्मी से निजात के लिए लोग घरों में एसी व कूलर लगवा रहे हैं। पिछले दस दिन के भीतर शहर में सबसे अधिक एसी व कूलर बिके हैं। यह डिमांड लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं डिमांड ज्यादा होने से स्टाक कम पड़ गया है, जिससे लोगों को एक-एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है। कूलर तो फिर भी मिल जा रहे हैं। लेकिन,बेहतर कंपनी व क्वालिटी की एसी आर्डर बुक करने पर ही उपलब्ध हो रही है। भारी गर्मी के चलते एसी व कूलर के दाम बढ़ गए हैं। मजबूरन में कई लोग बढ़े हुए दामों में ही खरीदारी कर रहे है। व्यापरियों का कहना है कि इन वर्ष गत वर्ष के मुकाबले कूलर व एसी के दामों में दस से बीस प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हुई है। कंपनी को आर्डर देने के बाद भी समय से सामान नहीं पहुंच पा रहा है। बाजार में अलग-अलग कंपनी के कूलर आठ हजार से बीस हजार रुपये तक उपलब्ध है। जबकि, एसी भी 40 से 70 हजार रुपये तक उपलब्ध हैं।

बढ़ती गर्मी के साथ बिकने लगे बच्चों के बाथ टब

क्षेत्र में बढ़ती गर्मी और तेज धूप के बीच बच्चों के लिए राहत का साधन बन रहे बच्चों के बाथ टब भी खूब बिक रहे हैं। दुकानों में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के टब रखे हुए हैं। तेज गर्मी के चलते अभिभावक भी बच्चों के लिए इन्हें खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। बच्चों के बाथ टब कई साइज और विभिन्न डिजाइनों में उपलब्ध हैं। इनका मूल्य आठ सौ रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक है।

पदयात्रा 16 जून से

कोटद्वार : विगत वर्षों की भांति इस बार भी मां दीबा भगवती की डोली व पदयात्रा 16 जून को ग्रामसभा मालकोट से शुरू होगी। समिति के सदस्य जितेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि यात्रा ग्राम कुई, मजगांव, चौबट्टाखाल, नौगांवखाल होते हुए चमनाऊ किलवास, किमगडी, गवाणी, चोपड़ा, चरगाड़, श्रीकोट, ल्वींठा, सलाण, झलपाड़ी, ड्वीला, पालीधार आदि गांवों से होते हुए रात्रि को रसोई डांग पहुंचेगी। रात्रि भोज के उपरांत यात्रा मां दीबा भगवती मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। पूरी रात यात्रा कर सुबह चार बजे डोली दीबा माता के मंदिर में पहुंचेगी। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बताया कि विगत वर्षों की भांति इस बार भी यात्रा को भव्य रूप दिए जाने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक-170/सार्व0 सू0/2026-27 दिनांक 12 जून 2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय नगर पंचायत सतपुली हेतु आउटसोर्स के माध्यम से कर्मचारी उपलब्ध कराए जाने हेतु जैम पोर्टल पर बिड सं0 GEM/2026/B/7557499 के माध्यम से दरें आमंत्रित की जाती है। निविदा में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक फर्म/एजेन्सी जैम पोर्टल पर उक्त बिड में शर्तानुसार प्रतिभाग कर सकते हैं। जैम पोर्टल पर बिड निर्धारित तिथि दिनांक 16 जून 2026 दोपहर 12:00 बजे तक स्वीकार की जाएगी जो कि 16 जून 2026 को ही दोपहर 12:30 बजे निविदा समिति के द्वारा खोली जाएगी।

अधिशासी अधिकारी **नगर पंचायत सतपुली** (0232/51) | **अध्यक्ष** **नगर पंचायत सतपुली**

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	22/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा/2026:– मुरादाबाद डिवीजन में विद्युत संपत्तियों की अर्थिंग और अन्य सुरक्षा प्रणालियों के उन्नयन के लिए विद्युत कार्य।	4,08,33,648.61 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद	8,16,700.00	12 (बारह) माह	निविदायें दिनांक 06.07.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15.00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : 23/2026 दिनांक : 12.06.2026 2021/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मालिनी महोत्सव का शुभारंभ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के मोटाढाक मिनी स्टेडियम में बुधवार से छह दिवसीय मालिनी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया। उद्घाटन अवसर पर स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं महिलाओं के लिए आयोजित सुई-धागा प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही।

आयोजित महोत्सव में प्रस्तुति देती छात्राएं

महोत्सव का उद्घाटन गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अण्थ्वाल, व्यापार मंडल मोटाढाक के अध्यक्ष सुरेश मित्तल, बाल भारती पब्लिक स्कूल के संस्थापक गिरिराज रावत, आशा डबराल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने तथा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही अभिभावकों से बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की गई। महोत्सव संयोजक सौरभ नौडियाल ने बताया कि 11 से 16 जून तक चलने वाले इस आयोजन में वॉलीबॉल, कबड्डी समेत कई खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के पहले दिन आयोजित सुई-धागा दौड़ प्रतियोगिता में पुष्पा और कुसुम की टीम ने प्रथम, हेमा और ममता ने द्वितीय तथा श्वेता और पूनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन गौरव जोशी ने किया। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, खिलाड़ी और प्रतिभागी मौजूद रहे।

थलनदी में झील निर्माण की मांग को लेकर यूकेडी का धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने थलनदी में केंद्रीय संरक्षक डॉ. शक्तिशैल कपरवाण के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन कर क्षेत्र में झील निर्माण की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री से थलनदी में झील बनाकर पर्यटन विकास को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि स्थानीय जनता लगातार झील निर्माण की मांग उठा रही है। लेकिन, सरकारी लापरवाह बनी हुई है। ऐसे में यूकेडी की सरकार बनने पर थलनदी में झील का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, यमकेश्वर और दुगड्डा विकासखंड के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय बाजारों का भी विकास होगा। केंद्रीय उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश भारद्वाज ने पहाड़ी क्षेत्रों के गांवों से लैंटाना झाड़ियों को जड़ से हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन झाड़ियों में छिपे जंगली जानवर महिलाओं और बच्चों के लिए खतरा बने हुए हैं। साथ ही वन कानूनों में संशोधन कर पर्वतीय क्षेत्रों की विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग भी की। केंद्रीय संगठन मंत्री सत्यपाल सिंह नेगी ने खेती करने वाले ग्रामीण युवाओं को प्रतिमाह 10 हजार रुपये ग्रीन बोनस दिए जाने की मांग उठाई। वहीं केंद्रीय मंत्री वी.पी. भट्ट सलाणी ने सरकारी अस्पतालों के सुधारीकरण पर जोर देते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। जिला महामंत्री शीशपाल नेगी ने क्षेत्रीय सड़कों की मरम्मत कराने की मांग रखी। इस दौरान प्रभारी ऋषि शर्मा, देवेन्द्र रावत, नरेश धस्माना, गणेश रावत, राजेश रावत, अभिषेक परिहार, विपिन नेगी, सुदामा द्विवेदी, सरोज रावत, मनोरमा नेगी, चण्डी अमोली और रघुराज रावत समेत कई कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा के दौरान सत्य प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में जनसमस्याओं के समाधान के लिए एक संघर्ष समिति का गठन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष उपेंद्र बडोला ने की।

सार्वजनिक निविदा सूचना

जिलाधिकारी महोदय गढ़वाल के कार्यालय आदेश संख्या- 1622/वरि0प्रशा0अधि0 (नजारत)/2025-2026 दिनांक फरवरी 04 जून, 2026 के द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत तहसील लैन्सडौन में मीटिंग हाल की मरम्मत/रंगाई पुताई कार्य को UTTRAKHAND PROCUREMENT RULE 2025 के प्रस्तर 4.7.2 के बिन्दु संख्या-02 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत इच्छुक पंजीकृत ठेकेदारों से सील्ड बन्द निविदायें दिनांक 25-06-2026 को पूर्वाहन 12.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 25-06-2026 को अपराहन 02 बजे गठित समिति द्वारा निविदा दाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। कार्य का विवरण एवं निविदा की शर्तें निम्नवत होगीः-

क्र0सं0	कार्य का नाम	धनराशि
01	जनपद पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत तहसील लैन्सडौन में मीटिंग हाल की मरम्मत/रंगाई पुताई कार्य।	12.63 लाख

1. निविदाकार/ठेकेदार का किसी भी राजकीय विभाग में ठेकेदारी का पंजीकरण/जी0एस0टी0 में पंजीयन होना अनिवार्य होगा, तथा उक्त प्रमाण पत्रों को संलग्न कराना होगा।
2. निविदाकार द्वारा फार्म फीस रू0-500.00 एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 कुल 590.00 को नकद/ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी लैन्सडौन गढ़वाल के नाम देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. निविदाकार को उक्त कार्य का पूर्ण विवरण निम्नानुसार देना होगा, अपूर्ण निविदा स्वीकार नहीं होगी।
4. प्राप्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार उपजिलाधिकारी लैन्सडौन गढ़वाल का होगा।
5. सबसे न्यून राशि की निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
6. किसी भी विवाद के निपटान हेतु क्षेत्राधिकार तहसील लैन्सडौन का होगा।
7. बिलम्ब से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
8. कार्यदेश जारी होने के 01 माह के अन्दर कार्य पूर्ण करना होगा।
9. भुगतान के समय 2 प्रतिशत आयकर एवं 10 प्रतिशत धरोहर राशि की कटौती की जायेगी।
10. कार्य का भुगतान तकनीकी जॉच के पश्चात सन्तोषजनक पाये जाने पर एम0बी0 के अनुसार किया जायेगा।
11. निविदाकार को रू0-100 जूडिशियल स्टाम्प जो कि नोटरी द्वारा सत्यापित हो जमा करना अनिवार्य होगा।
12. निविदाकार को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2025 के प्रस्तर-8 (1) के अनुसार कार्यपूर्ति धनराशि के रूप में 03 प्रतिशत की धनराशि की सी0डी0आर/एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी लैन्सडौन गढ़वाल के नाम बन्धक रखना अनिवार्य होगा जिसकी अवधि 90 दिनों तक के लिए वैध होनी अनिवार्य होगी।

(शालिनी मौर्य)
उपजिलाधिकारी
लैन्सडौन गढ़वाल।

खोह नदी में नहाने पहुंचे लोगों को हाथी ने दौड़ाया, बाल-बाल बचे पर्यटक

खोह नदी में पहुंचे हाथी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए खोह नदी में नहाने पहुंच रहे लोगों के लिए यह शौक कभी भी खतरे का कारण बन सकता है। गुरुवार को सिद्धबली क्षेत्र के समीप खोह नदी में नहा रहे लोगों को उस समय जान बचाकर भागना पड़ा, जब एक हाथी अपने शावक के साथ अचानक नदी किनारे पहुंच गया।

जानकारी के अनुसार, कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग के बीच बहने वाली खोह नदी का अधिकांश हिस्सा जंगल से सटा हुआ है। गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगली हाथी पानी की तलाश में जंगल से निकलकर नदी तक पहुंच रहे हैं। गुरुवार को भी कुछ पर्यटक और स्थानीय लोग नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकलकर एक हाथी और उसका शावक नदी किनारे आ गए। हाथी को देखते ही वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग अपने कपड़े व सामान छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग निकले।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं पहले भी कई बार सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद लोग सावधानी बरते बिना नदी में पहुंच रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

हाथियों से दूरी बनाएं रखने की अपील

वन्यजीव विशेषज्ञों और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाएं रखने की अपील की है। इन दिनों हाथियों के झुंड पानी की तलाश में जंगल से निकलकर खोह नदी तक पहुंच रहे हैं। कई बार लोग उत्साह में हाथियों के नजदीक जाकर फोटो और वीडियो बनाने लगते हैं या फिर वाहन के हॉर्न बजाकर उनका ध्यान आकर्षित करते हैं। इससे हाथी आक्रामक हो सकते हैं और हमला भी कर सकते हैं। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों से खोह नदी तथा जंगल से सटे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और वन्यजीवों से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की सलाह दी।

दुगड्डा में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

सरकारी सिस्टम की ओर से दुगड्डा में ध्वस्त किया गया अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा में नगर पालिका व प्रशासन की ओर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान हाईवे पर पक्की दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। प्रशासन व नगर पालिका ने दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी।

प्रशासन और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने सड़क किनारे रखे सामान को हटवाया तथा कई स्थानों पर अतिक्रमण कर रखे सामान को जब्त भी किया। अभियान की सूचना मिलते ही कई रेहड़ी-ठेली संचालक अपना सामान समेटकर आसपास की गलियों की ओर भागते नजर आए। अधिकारियों ने दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग और सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के कारण राजमार्ग संकरा हो रहा है, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। साथ ही भविष्य में भी नियमित रूप से अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने की कार्रवाई जारी रहेगी।

राजेश कंडारी अध्यक्ष व मनीष सुंद्रियाल बनें उपाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल मोटर यूजर्स कोपरेटिव ट्रांसपोर्ट सोसायटी लिमिटेड बीरोंखाल की चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो गई। नई कार्यकारिणी में राजेश कंडारी को अध्यक्ष व मनीष सुंद्रियाल को उपाध्यक्ष चुना गया। गढ़वाल मोटर यूजर्स को.ट्रां.सो.लि.बीरोखाल के निर्वाचन में संस्था के सामान्य निकाय के 19 बार्डों (बीरोखाल, मैठाणाघाट, स्यूंसी, बैजरो, बेदीखाल, पोखडा, भमरईखाल, कोटा, खटलगढ़, दिगोलीखाल, जडाऊखांद, नैनीडांडा, रामनगर, सल्ट) से 34 प्रतिनिधि चुने गए, जिनमें से छः प्रबंध कमेटी के सदस्य निर्वाचित हुए। साथ ही संस्था की 40 अंशधारक प्रारंभिक समितियों से चार प्रतिनिधि और वाहन स्वामी वर्ग से 1 प्रतिनिधि निर्वाचित हुआ। नई कार्यकारिणी में राजेश कंडारी अध्यक्ष, मनीष सुंद्रियाल उपाध्यक्ष चुने गए। संचालक मंडल में देशबंधु बिष्ट, देवेंद्र कुमार, संयोगिता देवी, मन्ना देवी, रामेश्वरी देवी, पूनम रावत, महिपाल सिंह, विजयपाल सिंह, विक्रम पटवाल चुने गए। जबकि प्रमिला देवी व अरूण कुमार पोखरियाल बैंक प्रतिनिधि चुने गये। चुनाव प्रक्रिया जिला उद्यान विशेषज्ञ पंकज पटवाल के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुई।

कार्यालय सहायक अभियन्ता (तृतीय), ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड-पाबौ।

पत्रांक 51 /दो-लेखा/निविदा सूचना/2026-27 दिनांक 12/06/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

उत्तराखण्ड राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न निर्माण कार्यों की मुहरवन्द निविदा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग प्रखण्ड-पौड़ी द्वारा दिनांक 27.06.2026 के अपरान्ह 11.30 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रखण्ड-पौड़ी में आंमत्रित की जाती है। जो उसी दिन इंगित निविदा अपराहन 12:00 बजे को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों का विक्रय दिनांक 12.06.2026 से दिनांक 25.06.2026 को सांय 4.00 बजे तक प्रखण्ड-पौड़ी में किया जायेगा, किन्ही अपरिहार्य कारणों से निर्धारित तिथि को अवकाश हो जाने पर मुहरवन्द निविदा अगले कार्य दिवस को प्राप्त/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकासखण्ड	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1.	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पाबौ के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी कण्डारस्यूं-03 का मरम्मत / अनुरक्षण कार्य।	पाबौ	18,000=00	1000.00 +GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी "ई"/उच्च
2.	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पाबौ के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी घुड़दौड़स्यूं-03 का मरम्मत / अनुरक्षण कार्य।	पाबौ	24,000=00	1000.00 +GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी "ई"/उच्च

सहायक अभियन्ता (तृतीय)
ग्रामीण निर्माण विभाग,
उपखण्ड पाबौ।

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ हिंसा

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

उड़ान के दौरान यात्री को पानी न देना उपभोक्ता सेवा में कमी!

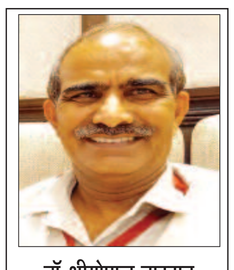

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हिमाचल के जिला धर्मशाला उपभोक्ता आयोग ने उड़ान में बच्चों को पानी न देने के लिए थाई लायन एयर पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह परिवाद तरुण कुमार चौरसिया ने उपभोक्ता आयोग के समक्ष दायर किया था, जिन्होंने बैंकॉक की यात्रा के लिए अपने और अपने परिवार के लिए हवाई टिकट बुक किए थे।हेमांशु मिश्रा और आरती सूद की अध्यक्षता वाले जिला उपभोक्ता आयोग ने यह भी माना कि एयरलाइन का यह आचरण बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन और सेवा में कमी का मामला है। तरुण कुमार चौरसिया ने फ्लाइट नंबर एसएल0214 के तहत अपने और अपने परिवार के लिए बैंकॉक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए थे, जो मूल रूप से 13 से 20 जनवरी, 2025 तक निर्धारित थे। थाई लायन एयर ने उपभोक्ता की सहमति के बिना उड़ान को 14 से 21 जनवरी तक पुनर्निर्धारित कर दिया, जिससे परिवार की यात्रा योजना बाधित हुई और उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ, जिसमें 2,527 रुपये की गैर-वापसी योग्य होटल बुकिंग भी शामिल है। अमृतसर से बैंकॉक की उड़ान के दौरान, एयरलाइन के कर्मचारियों ने उनके 10 और 15 वर्ष के बच्चों को पीने का पानी देने से यह कहकर इनकार कर दिया कि पानी मुफ्त नहीं है और केवल थाई करेंसी में ही खरीदा जा सकता है। एयरलाइन द्वारा भारतीय मुद्रा स्वीकार न किए जाने के कारण बच्चे छह घंटे की पूरी यात्रा के दौरान प्यासे रहे। जिसपर थाई लायन एयर और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय दोनों को नोटिस भेजे जाने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने इस मामले पर सुनवाई की। वैध नोटिस मिलने के बावजूद, कोई भी विपक्षी पक्ष आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। परिणामस्वरूप, उपभोक्ता के हलफनामे और सहायक दस्तावेजों के आधार पर मामले की कार्यवाही एकतरफा सुनवाई के लिए निर्धारित की गई। आयोग ने हस्ताक्षरित यात्री टिप्पणी प्रपत्र (अनुलग्नक सी-4) को मुख्य साक्ष्य के रूप में संदर्भित किया और पाया कि सुनीसा नामक एक चालक दल सदस्य ने एक बयान पर हस्ताक्षर करके पुष्टि की थी कि उड़ान में नियमित पानी की कोई मुफ्त व्यवस्था नहीं थी और खरीद के लिए केवल थाई करेंसी ही स्वीकार किए जाते थे। अपने फैसले में उपभोक्ता आयोग ने कहा, ह्लहम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि विपक्षी पार्टी नंबर 1 थाई लायन एयर ने उपभोक्ता के नाबालिग बच्चों को छह घंटे की लंबी यात्रा के दौरान प्यासा रखकर सेवा में लापरवाही बरती है। विपक्षी पार्टी नंबर एक के चालक दल ने न केवल सेवा में लापरवाही बरती है, बल्कि इस मामले में बुनियादी मानवाधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है।उपभोक्ता की पूर्व सहमति के बिना उड़ान का समय बदलना भी सेवा में लापरवाही है। इसलिए, शिकायत स्वीकार की गई।उपभोक्ता आयोग ने थाई लायन एयर को मानसिक पीड़ा के मुआवजे के रूप में एक लाख रुपये, होटल के नुकसान के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 2,527 रुपये और मुकदमे खर्च के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। फ्लाइट में पानी न मिलना यात्रियों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। सभी एयरलाइनों के लिए उड़ान के दौरान पीने का पानी मुफ्त उपलब्ध कराना अनिवार्य है।इसी प्रकार 31 जनवरी की सुबह लैक्स से की फ्लाइट लेट हो गई।साथ ही प्लेन बहुत गर्म और उमस भरा हो गया था।एक यात्री ने पानी मांगा तो एयर होस्टेस ने इसे नियमों के खिलाफ बताया व कहा कि वे पानी बेच भी नहीं सकते। उन्होंने यात्री को पानी पीने के लिए प्लेन से उतार दिया , लेकिन वापस प्लेन में चढ़ाने के लिए 10 मिनट तक दरवाजा खोलने के लिए कोई स्टाफ मौजूद नहीं था।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न, शाह ने पूर्वोत्तर का भाग्य ही बदल दिया

नीरज कुमार दुबे

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।

हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरूआत है। यदि सरकार अपने दावों के अनुरूप तेल उत्पादन, निवेश और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की ऊर्जा शक्ति, सामरिक मजबूती और आर्थिक विस्तार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

किशन सनमुखदास भावनानी

होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? -व्यापक समग्र विश्लेषण...

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं.

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं, कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब, यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

संक्षिप्त समाचार

भारत से विवाद हल करने में तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं : नेपाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को देश की संसद में स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता न तो मांगी है और न ही वह इसका समर्थन करती है। यह स्पष्टीकरण 31 मई को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयानों के बाद मचे राजनीतिक हंगामे को शांत करने के लिए दिया गया। पीएम के बयानों की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की थी और उनके इस्तीफे की मांग भी उठी थी। खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा को लेकर चल रहे विवाद पर दोनों देशों का एक संयुक्त कार्य समूह विचार करेगा।

चीनी विदेश मंत्रालय के साथ भारतीय दूत विक्रम की बैठक

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने बुधवार को बीजिंग में चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज के अध्यक्ष यांग वानमिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़ी संस्था है। यह चीन और दूसरे देशों के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल पर ध्यान देती है। भारतीय दूतावास की पोस्ट के अनुसार, दोराईस्वामी और यांग ने भारत-चीन के बीच लोगों के आपसी मेल-जोल की पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक, शैक्षिक व युवाओं के बीच बातचीत को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान के हेरात में गोली लगने से एक किशोर की मौत

हेरात, एजेंसी। अफगानिस्तान के पश्चिमी शहर हेरात में महिलाओं की कथित गिरफ्तारी के विरोध में हुए प्रदर्शन पर की गई हिंसक कार्रवाई में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हेरात इलाके में ड्रेस कोड नियमों के उल्लंघन के आरोप में 30 महिलाओं की गिरफ्तारी की गई थी। इन गिरफ्तारियों के खिलाफ मंगलवार को 100-150 लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान तालिबान पुलिस ने भीड़ पर गोलीबारी की। गोली लगने से कम से कम एक किशोर की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीटे जाने की भी रिपोर्ट है। साल 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन है। इसके बाद सरकार ने इस्लामी कानून (शरीयत) की सख्त व्याख्या पर आधारित कई नियम लागू किए हैं। देश में विरोध-प्रदर्शन दुर्लभ हैं और सरकार के खिलाफ असहमति को लगभग बर्दाश्त नहीं किया जाता। महिलाओं और लड़कियों पर कई सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें प्राथमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई पर रोक और सार्वजनिक स्थानों पर ड्रेस कोड शामिल है। नियमों के अनुसार महिलाओं को पूर्ण हिजाब—सिर से पैर तक ढका हुआ वस्त्र और चेहरा ढकने वाला नकाब—पहनकर ही बाहर निकलने की अनुमति है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा खुलासा, कहा- ईरान को पता ही नहीं, हमने होर्मुज से निकाल लिए 10 करोड़ बैरल तेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने एक गुप्त सैन्य अभियान के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज्यादा तेल निकाल लिया है। होर्मुज दुनिया भर में तेल के जाने का एक अहम रास्ता है और अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे तनाव में एक अहम और संवेदनशील बिंदु है, उसे तेहरान ने 28 फरवरी से बंद कर रखा है। लेकिन बंद होर्मुज से अमेरिका ने 100 मिलियन बैरल तेल निकाल लिया, ये आश्चर्यजनक बात है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक गुप्त मिलिट्री ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, 'पिछले महीने, मैंने हमारी महान अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज) से गुज़रने वाले तेल टैंकरों और दूसरे कमर्शियल जहाज़ों की सुरक्षा के लिए एक गुप्त मिशन चलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'आज मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस कोशिश के नतीजे में 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज़्यादा तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुज़ारकर खुले बाज़ार तक पहुंचाया है। 200 से ज़्यादा कमर्शियल जहाज़ सुरक्षित रूप से यहां से गुज़रे हैं। यह ज़बरदस्त कामयाबी इसलिए मिली है क्योंकि होर्मुज पर अमेरिका का कंट्रोल है, ईरान का नहीं। उनकी सेना हार चुकी है और उनकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। ईरान का खेल खत्म हो चुका है!' ट्रंप ने कहा कि ईरान को इस सीक्रेट मिशन के बारे में पता नहीं था। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ऑपरेशन के बारे में और जानकारी दी और दावा किया कि कल रात बिना लाइट जलाए 22 जहाज़ निकाले गए और ईरान को इसका पता नहीं चल पाया क्योंकि उनके पास रडार नहीं था। ट्रंप ने कहा, 'मैं आज पहली बार यह बता रहा हूं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर, दावा- प्रदर्शन रोकने के लिए जा रहे थे सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

आर्मी चीफ मुनीर ने हादसे की जांच का आदेश दिया : सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर समेत सेना के सभी अधिकारियों और जवानों ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हेलिकॉप्टर हादसे पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि पूरा देश इन सैनिकों के बलिदान को सलाम करता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश इन बहादुर सैनिकों की कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने मृतकों के लिए प्रार्थना की और उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत : पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के में दी गई जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान आर्मी एविएशन का यह हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबियों के कारण उड़ान भरते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना के वक्त हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान मीडिया ने इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया है कि इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवाल कोई भी जीवित नहीं बचा है। वहीं, पाकिस्तानी आर्मी के ओर जारी बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर किसी तकनीकी खराबी की वजह से गिरा। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू और रिकवरी टीमें मौके पर पहुंच गईं।

हेलीकॉप्टर में कुल 20 लोग थे सवार : बता दें कि यह दर्दनाक घटना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के नीलम वैली में हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पाकिस्तान सेना का यह हेलीकॉप्टर अचानक आसमान से नीचे जमीन पर आ गिरा। नीचे गिरते ही हेलीकॉप्टर आग का गोला बन गई। हेलीकॉप्टर में आग इतनी भीषण थी कि कोई भी बाहर नहीं निकल सका और सभी मौत के मुंह में समा गए। आईएसपीआर की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि हेलीकॉप्टर में कुल कितने सैनिक सवार थे। पीओके में प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान सेना ने हेलिकॉप्टर तैनात किए हुए हैं। खबर यह भी है कि दो दिन पहले भी बलूचिस्तान में एक पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर गिरा था।

पीओके में प्रदर्शन को रोकने सेना तैनात : यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मुजफ्फराबाद और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त है। हाल के दिनों में वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। इसकी वजह यह थी कि एक विरोध आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

चीन के गुआंग्शी में भीषण विस्फोट, 7 लोगों की मौत; ब्लास्ट के बाद पूरे इलाके में मची अफरा-तफरी

गुआंग्शी , एजेंसी। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित गुआंग्शी क्षेत्र में एक विस्फोट ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस धमाके में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की इमारतों और वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके के बाद अस्पताल और घटना स्थल पर पीड़ित परिवारों की भारी भीड़ देखी गई। जैसे ही धमाके की गूंज सुनाई दी, पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा हो गया। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। मलबे और घटना स्थल के आसपास फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल ने घंटों मशक्कत की। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है ताकि आम नागरिकों को किसी और खतरे से बचाया जा सके और जांच प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। प्रारंभिक जांच रिपोर्टों में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह विस्फोट किसी गैस पाइपलाइन से जुड़ा हुआ नहीं था। इस खुलासे ने जांच को एक नई दिशा दे दी है, क्योंकि अब अधिकारी अन्य संभावित कारणों जैसे औद्योगिक लापरवाही या किसी विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की पड़ताल कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ टीमों को काम पर लगा दिया गया है और वे बारीकी से साक्ष्य जुटा रहे हैं। फिलहाल, पूरा ध्यान जांच पूरी करने और विस्फोट की असली वजह का पता लगाने पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन तैयारियों पर बहस छेड़ दी है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती : दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था।

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला

जवाब में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, होर्मुज फिर बंद किया

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए है। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया।

जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईं: जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन मार गिराया: तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमला: ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।

रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील की: मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।

कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा: कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। बहरीन में फिर बजे एयर रेड सायरन, लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह अमेरिका-ईरान तनाव के बीच बहरीन में एक बार फिर एयर रेड सायरन बजाए गए हैं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से शांत रहने और तुरंत नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। हालांकि सायरन बजाने की वजह या संभावित खतरे के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले, सेना बोली- जवाबी कार्रवाई जारी मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत ने कहा है कि उसके खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैती सेना ने बताया कि वह इन हमलों का जवाब दे रही है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। सेना ने लोगों से शांति बनाए रखने और जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने नागरिकों से अनावश्यक आवाजाही से बचने और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। ?आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी।

प्रवासी विरोधियों परहिंसा भड़काने के आरोप : दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी। दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके ने घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

'हमारा इलाका छोड़ दो वरना...', ईरानी विदेश मंत्री की अमेरिका को आखिरी चेतावनी; होर्मुज में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर भीषण सैन्य संघर्ष का केंद्र बन गया है। अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी ठिकानों पर की गई हालिया बमबारी के बाद ईरान के तेवर बेहद सख्त नजर आ रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की धमकी या हमले का ईरान की सेनाएं निर्णायक और मुंहतोड़ जवाब देंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अराघची ने अमेरिकी कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में हार के बावजूद अमेरिका ने ईरान के संकल्प की परीक्षा लेने का फैसला किया है। अराघची ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो हमारे इलाके से चले जाएं। फारस की खाड़ी का इतिहास घुसपैठ करने वाले बाहरी लोगों के बुरे अंजामों की कई कहानियों से भरा पड़ा है।

होर्मुज की संप्रभुता पर छिड़ी जंग : ईरानी विदेश मंत्री ने होर्मुज की अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट कोई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र नहीं है, बल्कि यह ईरान और ओमान के बीच बंटा हुआ क्षेत्र है, जो अमेरिका के तटों से हजारों मील दूर स्थित है। अराघची के अनुसार, समुद्री सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं और ईरानी सेनाएं अपने हवाई क्षेत्र, जमीन या जलक्षेत्र के किसी भी उल्लंघन के लिए हमेशा हाई अलर्ट पर रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को मानवीय गलतियों या अचानक होने वाली गोलीबारी में फंसने का खतरा हमेशा बना रहता है।

की 'सेल्फ-डिफेंस' स्ट्राइक : यह तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान पर हमलों की पुष्टि की। अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर 9 जून की शाम को यह जवाबी कार्रवाई शुरू की गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि यह हमला पूरी तरह से 'आत्मरक्षा' में किया गया था, क्योंकि एक दिन पहले ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया था। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने सटीक निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज के पास स्थित ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और निगरानी रडार ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है।

बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद : कूटनीति बनाम युद्ध की भाषा संघर्ष के इस दौर में भी ईरान ने बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात कही है, लेकिन साथ ही अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान कूटनीति की भाषा को प्राथमिकता देता है, लेकिन उनके बहादुर योद्धा दुनिया को दिखा चुके हैं कि वे जरूरत पड़ने पर 'दूसरी भाषा' यानी युद्ध की भाषा बोलना भी जानते हैं। फिलहाल खाड़ी क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों ओर की सेनाएं किसी भी बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

बिल गेट्स का सनसनीखेज खुलासा, कहा- अफेयर को लेकर एपस्टीन ने बनाया था ब्लैकमेलिंग का दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है. बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उनके पुराने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को लेकर उन्हें ब्लैकमेल किया था. एपस्टीन चाहता था कि दोनों के बीच रिश्ते खत्म होने के बाद गेट्स उससे दोबारा संपर्क शुरू करें.

बिल गेट्स अमेरिकी संसद की 'हाउस ओवरसाइट एंड गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी' के सामने पेश हुए थे. ये समिति इस बात की जांच कर रही है कि प्रशासन ने एपस्टीन मामले को कैसे संभाला. साथ ही, जांचकर्ता उस रसूखदार नेटवर्क का भी पता लगा रहे हैं जो एपस्टीन के संपर्क में था. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक बिल गेट्स ने माना कि जब वेफिलांथ्रोपी के कामों के सिलसिले में एपस्टीन से मिले थे, तब वो उसके अपराधों की गंभीरता को पूरी तरह नहीं समझ पाए थे. गेट्स ने अपने बयान में कहा, 'इन अफेयर्स का एपस्टीन के साथ मेरी बातचीत से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ये मेरे परिवार के लिए बेहद दर्दनाक थे. एपस्टीन ने मेरी बेवफाई की जानकारी और उसके ऊपर कई झूठ की परतें चढ़ाकर मुझ पर दोबारा जुड़ने का दबाव बनाने की कोशिश की थी.'

व्यक्तिगत रिश्तों से साफ इनकार : बिल गेट्स ने इस दौरान बताया कि एपस्टीन के साथ उनकी मुलाकातें सिर्फ चैरिटी, वैश्विक स्वास्थ्य और फंड जुटाने को लेकर ही हुई थीं. उन्होंने एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के निजी या दोस्ताना रिश्ते से साफ इनकार किया. गेट्स ने सांसदों को बताया, 'मैं कभी भी उसके द्वीप (आइसलैंड), उसके फार्महाउस (रेंच) या फ्लोरिडा वाले घर पर नहीं गया. मैंने कभी किसी का शोषण नहीं किया है.' उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि उसने निजी संबंध बढ़ाने की कोशिश की हो, लेकिन मेरी कभी ऐसी कोई दिलचस्पी

नहीं थी और न ही मैंने कभी उसकी तरफ हाथ बढ़ाया।

2014 में एपस्टीन से तोड़ दिया था नाता : बिल गेट्स ने बताया कि वो एपस्टीन से 2011 में जुड़े थे. ये वो समय था जब एपस्टीन फ्लोरिडा में वेश्यावृत्ति के आरोप में जेल की सजा काट चुका था. गेट्स ने कहा कि साल 2014 में जब उन्हें समझ आ गया कि एपस्टीन के जरिए चैरिटी के लिए फंड जुटाने की कोशिशें बेकार जा रही हैं, तो उन्होंने सारे नाते तोड़ दिए. गेट्स के मुताबिक, 'उस मोड़ पर मैंने मुझे समझ आया कि एपस्टीन अपने वादे कभी पूरे नहीं करेगा. मैंने उससे कह दिया कि हम अब आगे बात नहीं करेंगे और उससे मिलना-जुलना पूरी तरह बंद कर दिया.' गेट्स ने ये भी बताया कि उन्होंने एपस्टीन को कभी कोई आपराधिक काम करते नहीं देखा।

सांसदों के सवाल- सब जानते हुए भी संपर्क क्यों रखा : संसद की इस द्विदलीय समिति ने बिल गेट्स से तीखे सवाल पूछे. दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने पूछा कि जब एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की बात जगजाहिर थी, तो गेट्स उससे क्यों मिलते रहे? कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने सुनवाई के बाद बताया कि बिल गेट्स ने ये मंजूर किया है कि उन्हें एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की जानकारी थी. वहीं, रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने एपस्टीन को एक फ्रेंड कलेक्टर बताया. बर्चेट ने कहा, 'ये पूरी तरह साफ है कि एपस्टीन बड़े लोगों को इकट्ठा करने का शौकीन था. उसे रसूखदार लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाना और उनके साथ घूमना पसंद था, ताकि वो अपना प्रभाव बढ़ा सके. मुझे लगता है कि इसी तरह उसने लोगों को अपने जाल में फंसाया.' डेमोक्रेटिक सांसद एमिली रैंडल ने कहा कि इस गवाही से ये पता चलता है कि एपस्टीन के साथ उठने-बैठने वाले कई ताकतवर पुरुषों ने जानबूझकर चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज किया और वही देखा जो वो देखना चाहते थे.

पीड़ितों के लिए न्याय की मांग : सुनवाई के दौरान बिल गेट्स ने एपस्टीन के अपराधों का शिकार हुए लोगों को लेकर अपनी संवेदना जाहिर की. उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि एपस्टीन के अपराधों से बचे लोगों को वो न्याय मिले जिसके वे हकदार हैं।

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

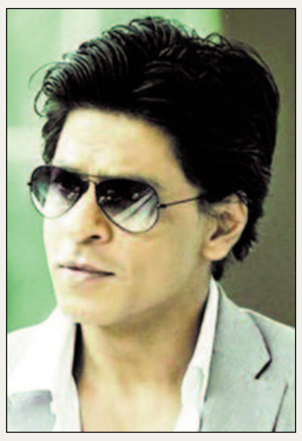

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

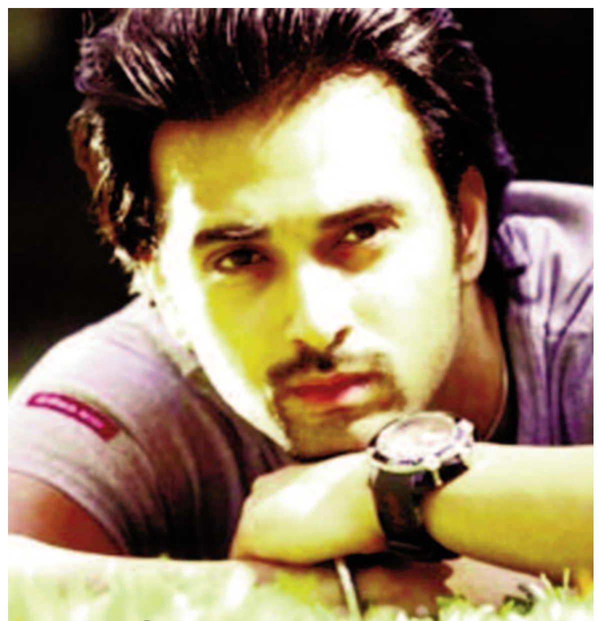

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज़ में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है।

हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

निजमूला घाटी पहुंचे डीएम, सड़क और पुल निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को नवंबर माह तक झींझी पुल का निर्माण पूर्ण करने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने शुक्रवार को जनपद की दूरस्थ निजमूला घाटी का स्थलीय निरीक्षण कर विकास कार्यों और जनसमस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बिरही-निजमूला सड़क, निर्माणाधीन निजमूला-पाणा सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटी के ग्रामीणों को बार-बार होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की बात कही।निरीक्षण के दौरान डीएम ने बिरही-निजमूला मार्ग पर भूस्खलन प्रभावित काली चट्टान क्षेत्र का जायजा लिया और ब्रिडकुल अधिकारियों को सुरक्षा कार्यों में तेजी लाने के साथ स्थायी समाधान के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए। ब्यारा गांव के ग्रामीणों की शिकायत पर जिलाधिकारी ने बाजार क्षेत्र में नाली निर्माण कराने के निर्देश भी दिए। इसके बाद उन्होंने निजमूला-पाणा सड़क पर निर्माणाधीन झींझी पुल का निरीक्षण किया और पीएमजीएसवाई अधिकारियों को मानव संसाधन बढ़ाकर नवंबर तक पुल निर्माण कार्य पूरा करने को कहा। वन विभाग के आवास गृह में आयोजित बैठक के दौरान घाटी के ग्रामीणों ने दुर्मी ताल के पुनर्निर्माण, पर्यटन गतिविधियों के विकास, सड़क, शिक्षा, दूरसंचार और अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग रखी।

छात्रों को दी बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर ग्राम कालेश्वर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की ओर से विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विधि सह परिवीक्षा अधिकारी निखिल डेविड ने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम सहित विभिन्न बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज (सीडी) नाजिश कलीम ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का अधिकार है। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए नवस्थापित विधिक सेवा केंद्र का उद्घाटन भी किया। वहीं, सरस्वती शिशु मंदिर क्यूंकालेश्वर में जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राकेश चंद्रा बिडालिया ने बच्चों के संरक्षण को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। संरक्षण अधिकारी प्रज्ञा नैथानी ने बाल श्रम को बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के लिए गंभीर चुनौती बताया।

शिविर में प्रतिभागियों ने योग को नियमित अपनाने का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैन्य छावनी लैंसडौन के सभी अधिकारियों, जे.सी.ओ, जवानों और सैन्य परिवारों ने उत्साह के साथ प्रदर्शन किया। योग शिविर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अपने निजी जीवन में योग को अपनाने का संकल्प लिया। योग का आयोजन कर्नल कुलदीप सिरोही, सेना मेडल, डिप्टी कमांडेंट गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के नेतृत्व में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के डायस स्टेडियम में किया गया। शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शिविर का संचालन आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कुड़जोली, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड के योग प्रशिक्षक डॉ. जितेन्द्र भाटिया और उनकी टीम द्वारा किया गया। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के डिप्टी कमांडेंट ने कहा कि योग शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने और मानसिक तनाव को कम करने में सहायक होता है। कहा कि योग को नियमित जीवन में उतारने के बाद किसी प्रकार का रोग नहीं रहता है। निरोगी काया के लिए योग को नियमित रूप से अपनाने पर उन्होंने जोर दिया। इस मौके पर आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवाएं, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड के योग प्रशिक्षक डॉ. जितेन्द्र भाटिया और उनकी टीम को सम्मानित किया गया।

एक नजर

28 जून को शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियों की खुराक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद में आगामी 28 जून को शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई जायेगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 50,404 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से दुगड्डा विकासखंड के भाबर, कालागढ़, लक्ष्मणझूला, स्वर्गाश्रम, चिल्ला कुनाऊं और गंगाभोगपुर क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा।

जनपद में 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान की तैयारियों के लिए शुक्रवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के 50,404 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जनपद की कुल आबादी 6.87 लाख से अधिक है व अभियान में 1,68,002 परिवारों और 1,174 ग्राम सभाओं को शामिल किया गया है। 815 पोलियो बूथ, 23 ट्रांजिट बूथ और आठ मोबाइल बूथ स्थापित किए जाएंगे। बूथ दिवस के बाद छूटे बच्चों को खुराक पिलाने के लिए 1,630 घर-घर भ्रमण दल तैनात किए जाएंगे, जिनमें 3,260 वैक्सीनेटर, 1,010 आशा कार्यकर्ता, 1,539 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 265 सुपरवाइजर शामिल होंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 29 व 30 जून को एनआईडी क्षेत्र व 29 जून से चार जुलाई तक एसएनसीडी क्षेत्र में घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जसपाल राणा के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पद्मश्री से सम्मानित एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निशानेबाज जसपाल राणा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जसपाल राणा ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा, कठिन परिश्रम और उल्लेखनीय उपलब्धियों से न केवल उत्तराखंड, बल्कि पूरे देश का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया। निशानेबाजी के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने अनेक युवा खिलाड़ियों को प्रेरित कर खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जसपाल राणा का निधन खेल जगत, उत्तराखंड तथा राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना है।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले पांच युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार रात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को हिरासत में लिया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन कर कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात पुलिस टीम ने झंडाचौक, नजीबाबाद रोड, स्टेशन रोड समेत विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग मचा रहे पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शहर में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। साथ ही लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन न करने और कानून का पालन करने की अपील की गई है।

विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर कैबिनेट मंत्री ने चौथान क्षेत्र को कई विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विनसर महादेव मंदिर क्षेत्र के विकास, खेल मैदान और सड़क निर्माण कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मंत्री ने कहा कि विनसर महादेव मंदिर क्षेत्र को धार्मिक आस्था, संस्कृति और पर्यटन के रूप में विकसित किया जाएगा। कहा कि सरकार इसके संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान डॉ. रावत ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। कैबिनेट मंत्री ने बूंगीधार में आयोजित बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी पौड़ी, उपजिलाधिकारी थलीसैंण व दूधातोली विनसर चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ विनसर महादेव मंदिर की भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया पर चर्चा की। इसमें भूमि हस्तांतरण से जुड़ी औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करने और जनभावनाओं के अनुरूप कार्रवाई आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। उन्होंने बूंगीधार के देवराड़ी देवी में 25 लाख की लागत से बनने वाले खेल मैदान का शिलान्यास किया। जबकि थलीसैंण क्षेत्र के अंतर्गत 230.93 लाख की लागत से निर्मित 2.87 किमी. के मैखुली-देवराड़ी-गणतखाल मोटर मार्ग के सुधारीकरण व डामरीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस मौके पर एसडीएम थलीसैंण कृष्णा त्रिपाठी, बीडीओ टीकाराम, जिला युवा कल्याण अधिकारी आरएस फोनिया, जिपं सदस्य अंजली जोशी, ज्येष्ठ प्रमुख मनवर सिंह आदि मौजूद रहे।

12 वर्षों में बदली भारत की तस्वीर : चौधरी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : ब्लॉक सभागार कर्णप्रयाग में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से शुरू हुई यह यात्रा केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि विकास, सुशासन, सेवा और जनविश्वास की नई कार्य संस्कृति स्थापित करने की यात्रा रही है। इन 12 वर्षों में देश ने अनेक क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री जनधन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। श्री चौधरी ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हुआ है। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक स्तर पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में उभरा है।

टीबी स्क्रीनिंग शिविर, 73 लोगों के किए गए एक्स-रे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत संचालित 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग ने सिम्मलचौड़ में टीबी स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर में 73 लोगों के टीबी एक्स-रे किए गए, जबकि ग्रामीणों को बीमारी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में सुबह से ही लोगों की अच्छी खासी भीड़ रही। सीएचओ प्रियंका ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी की समय पर पहचान और नियमित उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत मरीजों को निःशुल्क जांच, चिकित्सकीय परामर्श, दवाएं और पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. पारूल गोयल ने बताया कि 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में लगातार स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले के 762 लक्षित गांवों में से अब तक 478 गांवों में शिविर लगाए जा चुके हैं और अभियान को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराने और उपचार को बीच में न छोड़ने की अपील की। शिविर में एसटीएस राकेश रावत, एक्स-रे तकनीशियन रमेश कुमार, आशा कार्यकर्ता आशा देवी, ललिता, तानिया सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

आंचल कैफे स्थापित करने की तैयारी शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने और दुग्ध उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए आंचल डेयरी ने पौड़ी जिले के प्रमुख शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और चारधाम यात्रा मार्ग पर आंचल कैफे स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। आंचल डेयरी के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में आंचल कैफे स्थापित करने की योजना तैयार की जा रही है।

इसके तहत जीबी पंत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी, राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीकोट, गढ़वाल केंद्रीय विवि के चौरास परिसर सहित राज्य व केंद्र सरकार के विभिन्न प्रमुख कार्यालयों में कैफे स्थापित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसके अलावा चारधाम यात्रा मार्ग पर भी उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाएगा। बताया कि आंचल कैफे के माध्यम से छात्रों, कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों और चारधाम यात्रियों को शुद्ध दूध व अन्य उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आसानी से मिल सकेंगे, वहीं दुग्ध संघ की बिक्री और आय में भी बढ़ोतरी होगी। बताया कि विभाग को संभावित स्थलों का चिह्निकरण करने, संबंधित संस्थानों से स्वीकृति प्राप्त करने व परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की ओर से चयनित स्थानों का सर्वेक्षण कर आय-व्यय का आकलन किया जाएगा और विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी।

गढ़वाल विवि के बीटेक पाठ्यक्रमों में 29 जून तक लें प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 12 जून से शुरू हुए पंजीकरण 29 जून तक होंगे। इस संदर्भ में विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसांई की ओर से जारी किए गए निर्देशों में कहा गया है कि एनटीए की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य)-2026 में शामिल अभ्यर्थी विवि के बिड़ला परिसर, श्रीनगर में संचालित बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई), इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई), इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईई), मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई) व सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शाखाओं में किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को समर्थ पोर्टल पर 12 जून से 29 जून 2026 सायं 5 बजे तक अनिवार्य रूप से पंजीकरण करना होगा।

चमोली में 4614 अभ्यर्थी देंगे स्नातक स्तरीय परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित करायी जा रही स्नातक स्तरीय परीक्षा 14 जून, 2026 को एकल पाली में होगी। जनपद चमोली में 18 परीक्षा केंद्रों पर 4614 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने शुक्रवार को सभी नोडल अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए। परीक्षा से पहले एसडीएम और सीओ पुलिस सभी परीक्षा केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण करते हुए कमियों को तत्काल दूर करें। परीक्षा केंद्रों पर विद्युत, पेयजल, सीटिंग प्लान एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सड़क मार्ग को सुचारू रखा जाए। जिलाधिकारी ने नियुक्त सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वहन करते हुए आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप परीक्षा को संपन्न कराने के निर्देश दिए। आयोग के प्रतिनिधि रोबिन सिंह ने परीक्षा हेतु जारी दिशा निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा प्रातः 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक एकल पाली में सम्पन्न होगी। अभ्यर्थियों 8.30 बजे परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा।

पंचतत्व में विलीन हुए रोहित , अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

नई टिहरी। । जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एलओसी पर गश्त के दौरान सर्विस राइफल की गोली लगने के कारण बलिदान हुए रोहित सिंह का बिनपुला भिलंगना घाट पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। स्थानीय लोगों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। बलिदानी की अंतिम यात्रा में पहुंचे लोगों ने कहा कि 21 साल की उम्र रोहित ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका यह बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। रोहित की असमय मौत पर मेंडू सिंधवाल गांव में मातम पसरा रहा। बेटे का पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही परिजन लिपट कर रोते-बिलखते रहे। जिससे हर किसी की आंखें नम हो गई।भिलंगना ब्लॉक के मेंडू सिंधवाल गांव निवास रोहित सिंह रावत (21) पुत्र सुरेंद्र सिंह एक साल पहले ही अग्निवीर के तहत सेना में भर्ती हुए थे। जनवरी 2026 में ट्रेनिंग पूरी कर उन्हें जम्मू में तैनाती मिली। बताया गया कि 10 जून को सुबह गश्त के दौरान अचानक ही रोहित को अपनी सर्विस राइफल से गोली लग गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके कुछ देर बाद ही वीर जवान ने दम तोड़ दिया।

हालांकि, गोली किन परिस्थितियों में लगी यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सेना के अधिकारियों की ओर से मामले की गहन जांच की जा रही है। 11 जून को देर रात रोहित का शव गांव पहुंचा था। जवान का पार्थिक शरीर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहां मौजूद लोगों की आखें भी नम हो गई। शुक्रवार को देश के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर सैनिक का उनके पैतृक घाट बिनपुला में पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

इस दौरान देशभक्ति नारे और अमर बलिदानी रोहित रावत अमर रहें के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह, पूर्व विधायक भीमलाल आर्य, नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य विजय लाल, धनपाल बिष्ट, शौकिन भंडारी, हयात कंडारी, विजय गुनसोला, चंद्रमोहन नौटियाल, अनिल चौहान, भरत गुसाईं, केदार बर्थवाल, यशवंत गुसाईं,एसडीएम मंजू राजपूत और तहसीलदार महेशा शाह सहित बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने दिवंगत रोहित को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दी। बेटे की असमय मौत पर पिता सुरेंद्र सिंह,मां भीमा देवी, छोटे भाई मोहित और दादी का रो-रो कर बुराहाल है। गांव की हर आंखें नम थी। आस-पास क्षेत्र के लोगों का बलिदानी युवक के परिजनों को सांत्वना देने का सिलसिला दिनभर चलता रहा। विधायक ने कहा कि बलिदानी रोहित की याद में शीघ्र ही स्मृति द्वार बनाया जाएगा।

नौ गोशालाएं टूटीं, लस्तर नदी में बहे मवेशी, मकान भी क्षतिग्रस्त

रूद्रप्रयाग। विगत 10 जून को हुई मूसलाधार बारिश के चलते क्षेत्र में कृषि भूमि, पेयजल लाइन और पैदल मार्गों के साथ नौ परिवारों की गोशालाएं अतिवृष्टि की जद में आ गईं। गोशालाओं में बंधी नौ भैंसों में से सात लस्तर नदी में मृत मिलीं मिली जबकि दो का अभी पता नहीं चल पाया है।

दर्शन सिंह, मनोज उनियाल, लखन सिंह, मामेन्द्र सिंह, नेत्र सिंह, सुंदर सिंह, सतपाल सिंह, मकान लाल व जगदीश लाल ने बताया कि आपदा में उनकी गोशालाएं टूट चुकी हैं और आजीविका का साधन रहीं भैंसें भी बह गईं। वहीं, कमला देवी का दो कमरों का मकान भी टूट गया है। उन्होंने बच्चों के सिर पर छत के लिए प्रशासन से आवास की गुहार लगाई है। ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी ने बताया कि खुडगड गदेरे पर बनी लस्तर बजीरा नहर के नीचे वाला हिस्सा तेज बहाव से खाली होने के कारण नहर खतरे में है।

जून माह में बर्फबारी देख खुश हुए हेमकुंड पहुंचे श्रद्धालु

चमोली। पिछले कुछ दिनों से बदरीनाथ धाम की उंची चोटियों और हेमकुंड साहिब में बर्फबारी और बारिश होने से ठंड बढ़ गई है। बृहस्पतिवार रात को भी हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई जबकि बदरीनाथ धाम में बारिश हुई। हेमकुंड में बर्फबारी हुई तो तीर्थयात्रियों ने बर्फ का जमकर लुत्फ उठाया। बर्फबारी के बीच श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंचे। मानवेंद्र सिंह और जसप्रीत ने बताया कि उन्होंने बर्फबारी के बीच ही हेमकुंड साहिब सरोवर में स्नान किया। उसके बाद गुरुद्वारे में मत्था टेका। पहली बार इतनी करीब से बर्फबारी होती देखी। उन्होंने कहा कि विश्वास ही नहीं हो रहा है कि जून माह में बर्फबारी हो रही है। मैदानी इलाकों में जहां भीषण गरमी पड़ रही है। वहीं हेमकुंड साहिब की यात्रा पर पहुंच रह श्रद्धालु गुरुद्वारे के दर्शनों के साथ ही बर्फबारी का मजा भी ले रहे हैं। इधर बदरीनाथ धाम में बारिश होने से ठंड बढ़ गई है। शुक्रवार को बारिश के बीच ही श्रद्धालुओं ने भगवान बदरीनाथ के दर्शन किए।

कार्यकर्ताओं और अधिकारियों की ली बैठक

चमोली। ब्लॉक सभागार में कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों ने सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सहित कई अन्य समस्याएं रखीं। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एसडीएम अलकेश नौडियाल, बीडीओ विजय पुरोहित, मंडल अध्यक्ष विक्रम मिंगवाल, नगर अध्यक्ष बृजेश बिष्ट आदि मौजूद थे। वहीं कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी का बार संघ ने स्वागत किया और कई मांगों का ज्ञापन दिया। स्वागत करने वालों में अध्यक्ष रविंद्र पुजारी, महामंत्री भुवन नौटियाल, केपी सती, अशोक डिमरी, रणवीर कंडवाल आदि मौजूद थे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार जीती वनडे सीरीज

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत ली। बारिश के कारण खेल ढाई घंटे रुका रहा जिससे डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार बांग्लादेश को जीत के लिए 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने 6 ओवर रहते पांच विकेट पर 195 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने बिना कोई रन बनाए ही तीन विकेट गंवा दिए। फिर मार्नस लाबुशेन (नाबाद 55 रन) और जेवियर बार्टलेट (52 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन के स्कोर तक पहुंच सकी। बांग्लादेश ने इसी मैदान पर डकवर्थ लुईस पद्धति से पहला मैच 86 रन से जीता था। टीम ने उस टीम में एकमात्र बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार को अंतिम एकादश में जगह दी। उन्होंने और नजमुल हुसैन शांटो ने 42-42 रन बनाए जबकि तौहीद हृदय 55 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

शांटो और सरकार ने 86 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। 27वें ओवर में बांग्लादेश पांच विकेट पर 144 रन के स्कोर पर लड़खड़ा गया था, लेकिन हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने नाबाद 51 रन की अटूट साझेदारी करके सीरीज में ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। मैच खत्म होने से ठीक पहले नाथन एलिस की एक गेंद मेहदी के हेलमेट पर लगी जिससे वह घुटनों के बल गिर गए और उन्हें उल्टी हुई। मेहदी ने स्ट्रेचर लेने से इनकार कर दिया और खेलना जारी रखा। लेकिन शांटो ने बताया कि बाद में उन्हें निगरानी के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैथ्यू शॉर्ट वनडे में लगातार तीसरी बार बिना खाता खोले आउट हो गए। उसके बाद कूपर कोनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर आउट हो गए। वनडे इतिहास में यह केवल चौथी बार था जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और तास्किन अहमद ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। बल्लेबाजी क्रम में सातवें नंबर पर उतरे

लाबुशेन और बार्टलेट ने 103 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 14 पारियों के बाद अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। उन्हें तनवीर इस्लाम ने जीवनदान दिया जब उन्होंने महज एक रन बनाया था।

जसपाल राणा की अनकही दास्तां, निशानेबाजी के महानायक के निधन से शोक की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। राणा लंबे समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक जून को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच में हृदय की धमनियों में रुकावट पाई गई। हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित विश्व कप प्रतियोगिता से भारतीय दल के साथ लौटते समय भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। उपचार और स्टेंट डाले जाने के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई थी, लेकिन बाद में स्वास्थ्य में गिरावट आने से शुक्रवार तड़के उनका निधन हो गया।

जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश को विश्व मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने महज 12 वर्ष की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हुए नौ स्वर्ण सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। वर्ष 1994 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके करियर का सबसे यादगार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में देखने को मिला, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

हालांकि ओलंपिक पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन भारतीय निशानेबाजी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोचिंग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 2012 से जूनियर पिस्टल कोच के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाशाली निशानेबाजों को तराशा। उनकी देखरेख में सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे। पिछले वर्ष उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया था।

भारतीय निशानेबाजी की स्टार खिलाड़ी मनु भाकर की सफलता में भी जसपाल राणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों के पीछे उनके मार्गदर्शन को अहम माना जाता है। मनु उन्हें अपने पिता समान मानती थीं। जसपाल राणा का जाना भारतीय खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

रियान पराग की कंधे की सर्जरी सफल

– घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के उभरते ऑलराउंडर और इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रियान पराग की दाहिने कंधे की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई इस सर्जरी को देश के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ परदीवाला ने अंजाम दिया। सफल ऑपरेशन के बावजूद रियान पराग को अब लंबी पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसके कारण उनके घरेलू सत्र 2026-27 के शुरुआती चरण में हिस्सा लेने की संभावना कम दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में रियान पराग का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी नेतृत्व क्षमता से टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन खेल को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें दांबुला में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का उपकप्तान भी नियुक्त किया था। हालांकि श्रृंखला शुरू होने से ठीक पहले उन्हें गंभीर चोट का सामना करना पड़ा। मांसपेशियों और कंधे से जुड़ी समस्या के कारण वह प्रतियोगिता से बाहर हो गए। विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी, जिसे अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया। सर्जरी के बाद अब रियान पराग की प्राथमिकता पूरी तरह फिट होकर मैदान पर वापसी करना होगी। इसके लिए उन्हें जल्द ही बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजा जाएगा। वहां बोर्ड के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सा टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम शुरू होगा। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी प्रक्रिया में कुछ महीने लग सकते हैं और इसी कारण आगामी घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों में उनकी उपलब्धता संदिग्ध बनी हुई है। सर्जरी के बाद रियान पराग ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। अस्पताल से साझा की गई तस्वीर के साथ उन्होंने भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और अब वह एक नई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

वैभव सूर्यवंशी का भारत के लिए डेब्यू खतरे में, आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के टी20आई दौरे पर सीनियर टीम के लिए संभावित डेब्यू को लेकर चर्चा हो रही है। सूर्यवंशी ने भारत की टी20आई टीम में चुने जाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है और अभी श्रीलंका में इंडिया ए टीम के साथ ट्राई-नेशन सीरीज में व्यस्त हैं। इस महीने के आखिर में आयरलैंड में उनके सीनियर इंडिया डेब्यू की चर्चा के बीच, वहां चल रही कम्युनिटी अशांति के कारण खतरा पैदा हो गया है।

लिस्बन में होने वाला इंटर-प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल पहले ही रद्द कर दिया गया है जबकि क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा है कि रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों पर फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। अगर स्थिति ठीक नहीं होती है तो आयरलैंड बनाम भारत सीरीज पर भी खतरा मंडरा सकता है। क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा, 'क्रिकेट आयरलैंड उन इलाकों में स्थिति पर नजर रख रहा है जहां अभी कम्युनिटी अशांति है और इस रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में अगले 48 घंटों में फैसला करेगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'हम संबंधित अधिकारियों और अपनी प्रोविंशियल यूनियनों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे जरूरी है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, अपडेट दिए जाएंगे।' एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भी आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा है। अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो बोर्ड बेलफास्ट से मैच दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला कर सकता है।

गौर हो कि पिछले महीने खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए कुछ धमाकेदार पारियां खेलने के बाद वैभव सूर्यवंशी इंडिया ए के लिए वन-डे क्रिकेट में एक अलग अंदाज में दिखे हैं। गुरुवार को अफगानिस्तान ए के खिलाफ सूर्यवंशी ने आउट होने से पहले 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन एक भी छक्का नहीं लगाया। ढ्ढक्क में जहां 15 साल के इस खिलाड़ी ने ज्यादातर छक्के लगाकर रन बनाए थे, वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ उनका खेल काफी संभला हुआ दिखा, जिससे वे जमीन के सहारे शॉट खेल पाए। सूर्यवंशी की जबरदस्त कोशिश के बावजूद इस मैच में इंडिया ए को अफ़गानिस्तान ए से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप के पहले मैच में ही बना लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच बृहस्पतिवार को यहां खेले गए विश्व कप के उद्घाटन मैच में ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की एक अनोखी घटना देखने को मिली। इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाया गया। यह भले ही विश्व कप का रिकॉर्ड नहीं है लेकिन यह उद्घाटन मैच में लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड है। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने के रिकॉर्ड में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। यह घटना इसलिए भी अनोखी है क्योंकि कतर में 2022 में खेले गए पिछले विश्व कप में पूरे टूर्नामेंट में केवल चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को 9 खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा।

विश्व कप 2026 : रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, रैना ने कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में इन दोनों खिलाड़ियों का व्यापक अनुभव, बड़े स्कोर बनाने की क्षमता और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव संभालने का कौशल गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। दोनों ने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और विश्व कप में गिल की कप्तानी में उनकी भूमिका अहम होगी। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने भी भारतीय एकदिवसीय टीम में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के चयन का स्वागत किया है। कुंबले ने कहा कि प्रिंस ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह मौका हासिल किया है। उन्होंने प्रिंस की विभिन्न प्रकार की गेंदों कटर, धीमी गेंद और यॉर्कर की सराहना करते हुए उन्हें हर चरण में गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज बताया। कुंबले ने यह भी रेखांकित किया कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह पक्की करने के लिए लगातार अवसर दिए जाने चाहिए।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

- महिला टी20 विश्व कप 2026 के मैचों का पूरा शेड्यूल और प्रसारण समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में

शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6:30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11:00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7:00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7:00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10:00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को एकतरफा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21–6, 21–14 से हराया, यह मुकाबला सिर्फ 27 मिनट तक चला। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का अगला मुकाबला जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा जिन्होंने भारतीय टीनएजर तन्वी शर्मा के शानदार सफर को 32 मिनट में 21–14, 21–14 से हराकर खत्म किया। दिलचस्प बात यह है कि सिंधु का वर्ल्ड नंबर 3 जापानी खिलाड़ी के खिलाफ हेड–टू–हेड रिकॉर्ड 15–13 का है, जिसमें वह थोड़ी आगे हैं। सिंधु ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अपनी बेहतर पहुंच और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम आसानी से जीता और दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेमीफाइनल में पहुंचना सिंधु के लिए एक बड़ी बात है, क्योंकि उनका सीजन उतार–चढ़ाव भरा रहा है और वह ब्॒ख्स्न वर्ल्ड टूर पर अपनी लय पाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही वह दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। इससे पहले सिंधु ने प्री–क्वार्टर फाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी इशारानी बरुआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी–ऑन–सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है।

फीफा विश्व कप : मैक्सिको की धमाकेदार शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सह मेजबान मैक्सिको ने अब तक के सबसे बड़े फुटबॉल विश्व कप के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। इस बार विश्व कप में 48 टीम भाग ले रही हैं और खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम पर अपेक्षाओं का दबाव होना स्वाभाविक था। लेकिन उसके खिलाड़ियों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई और दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराकर अपने प्रशंसकों को जमकर जश्न मनाने का मौका दिया।

इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड भी दिखाए गए। जूलियन क्विनोनेस (नौवें मिनट) और राउल जिमेनेज (66वें) ने मैक्सिको के लिए गोल किए, जो कनाडा और अमेरिका के साथ इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है। मैक्सिको के कोच जेवियर अगुइरे ने मैच के बाद कहा, 'मैंने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि विश्व कप और घरेलू मैदान पर पहला मैच खेलने का क्या मतलब होता है। वे युवा हैं और उन्हें खुद इसका अनुभव करना था।'

मैक्सिको चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। इससे पहले उसकी टीम लगातार सात बार अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही लेकिन क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। लेकिन इस साल उम्मीद की किरण है। मैक्सिको अब तक केवल दो बार 1970 और 1986 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। इन दोनों अवसरों पर वह मेजबान देश था। अगुइरे 1986 की टीम का हिस्सा थे।

मैक्सिको ने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और नौवें मिनट में क्विनोनेस के गोल से बढ़त बना ली। जिमेनेज ने 66वें मिनट में हेडर से दूसरा गोल दागा। यह मैक्सिको के लिए उनका 46वां लेकिन तीन विश्व कप में पहला गोल था। जिमेनेज़ इस गोल से मैक्सिको की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मामले में जारेड बोर्गेटी के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वह शीर्ष पर काबिज जेवियर हर्नांडिज़ से छह गोल पीछे हैं।

अगुएरे ने कहा, 'हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अगर हम हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना लेते तो किसी को कोई शिकायत नहीं होती। हमने उनसे कहीं बेहतर खेल दिखाया।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा ज़वाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा। इसके बाद मैक्सिको के डिफेंडर सेसार मोंटेस को भी इंजरी टाइम में लाल कार्ड मिला।

विश्व कप टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में पहली बार तीन लाल कार्ड दिखाए गए। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने

के मामले में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। मैक्सिको के अब ग्रुप ए में तीन अंक हो गए हैं और वह अगले गुरुवार को ग्वाडलजारा में दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका उसी दिन अटलांटा में चेक गणराज्य का सामना करेगा।